वर्ष : 17 ❖ अंक : 209 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक

सोमवार, 06 मार्च 2023

दो करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार से जोड़ेंगे : सीएम योगी 3

ममता सरकार को घोटालों पर घेरते रहेंगे : नौशाद सिद्दीकी 8

सीएम का काम लोगों को डराना-धमकाना रह गया है : चामलिंग

एसडीएफ के स्थापना दिवस को शोक दिवस के रूप में मनाने के निर्णय का किया बचाव

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 0 मार्च । सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) प्रमुख तथा राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग का कहना है कि सिक्किम में पिछले चार वर्षों से एक विनाशकारी, नकारात्मक और अप्रत्याशित परिवर्तन की सरकार चल रही है जिसके शासन में राज्य अभूतपूर्व संकट की ओर बढ़ रहा है। इस नुकसान को देखते हुए राज्य के हित में इसके सच्चे प्रेमियों के साथ एकजुटता से खड़े होकर उनकी पार्टी ने अपने स्थापना दिवस पर शोक दिवस मनाने का फैसला किया। एसडीएफ के प्रेस एवं प्रचार उपाध्यक्ष कृष्णा खरेल ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

उनके अनुसार, स्थापना दिवस पर शोक दिवस मनाने के पीछे तर्क देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग का कहना है कि जब हम पिछले चार वर्षों के एसकेएम शासनकाल को देखते हैं तो पाते हैं कि इस दौरान सिक्किम में विनाशकारी नुकसान हुए हैं जिससे आम जनता शोकाकुल और सहमे हुए हैं। शांति की जगह हिंसा ने ले ली है और मुख्यमंत्री का काम लोगों को डराना-धमकाना और गाली देना रह गया है। वहीं झूठ सरकार का प्रमुख मंत्र बन गया है और मुख्यमंत्री एवं उनका परिवार सत्ता का केंद्र बन गए है।

इसके अलावा, पुलिस, सीआईडी, सरकारी कर्मचारी तथा अन्य बलों को पार्टी के बलों में बदल दिया गया है। उनके अनुसार, एसकेएम पार्टी राज्य प्रशासन से भी ज्यादा ताकतवर हो गई है। युवाओं को अपने अस्तित्व के लिए सत्ताधारी पार्टी पर निर्भर रहना पड़ता है। पवन चामलिंग ने कहा, हमारे लिए सिक्किम अपनी पार्टी से अधिक महत्वपूर्ण है। इसलिए हमने स्थापना दिवस समारोह को छोड़ कर शोक दिवस मनाने का निर्णय लिया है।

राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए पवन चामलिंग ने कहा कि आज पूरे सिक्किम में केवल एसकेएम पार्टी के पिकनिक, विभिन्न कार्यक्रमों एवं मनोरंजन आयोजनों में शामिल होने, बाइक रैलियां तथा सीएम एवं मंत्रियों के नाच-गान के शो ही रह गये हैं, जिन पर जनता के करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। विकास कार्य पीछे छूट गए हैं। ऐसा लगता है कि उन्हें लोगों की सेवा करने के लिए नहीं बल्कि लोगों का मनोरंजन करने के लिए ही जनादेश दिया गया है। वहीं दूसरी ओर हमारे हजारों शिक्षित युवाओं को नौकरी और व्यवसाय की तलाश में और किसानों तथा मजदूरों को निश्चित आय के लिए भटकना पड़ रहा है।

उनके अनुसार, एसकेएम द्वारा राज्य बजट, कोविड बजट, कोविड राहत कोष, राज्य राजस्व और अन्य सभी केंद्रीय धनराशि की हेराफेरी की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य की संपत्तियों को भी सत्ता के करीबी एवं बाहरी व्यवसायियों को बेचा जा रहा है। राज्य की सात जलविद्युत परियोजनाओं और हमारी इक्विटी शेयर की 50 फीसदी हिस्सेदारी पहले ही बेची जा चुकी है। ऐसे में वह दिन दूर नहीं जब सिक्किम की 90 प्रतिशत से अधिक संपत्ति पर इन गैर-सिक्किम व्यवसायियों का कब्जा हो जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री चामलिंग ने आगे कहा कि पीएस गोले के नेतृत्व वाली सिक्किम सरकार द्वारा प्रमुख सरकारी पदों पर गैर-सिक्किमी लोगों की नियुक्ति एक बड़ी प्रशासनिक चूक है। राज्य के महाधिवक्ता और अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर विवेक कोहली और सुदेश जोशी की नियुक्ति के कारण ही राज्य के नेपालियों पर विदेशी होने का दाग लगाया गया और सिक्किमी की परिभाषा को कमजोर कर दिया गया।

वहीं उन्होंने राज्य में जलविद्युत परियोजनाओं के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किये गये एक गैर-सिक्किमी सुनील सरोगी को राज्य की सभी संपत्तियों की बिक्री के पीछे का मास्टरमाइंड बताया। उनके अनुसार, राज्य में 12 दिसंबर 2019 से सीसीए और 20 जून 2021 से वन नेशन वन राशन कार्ड लागू कर स्थानीय सुरक्षा कानूनों को कमजोर कर दिया गया। वर्तमान में सिक्किम में दो लाख से अधिक गैर-सिक्किमी हैं, जिनमें से अधिकांश प्रवासी श्रमिक हैं। ऐसे में आने वाले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी और मतदाताओं में भारी बदलाव आएगा जिससे सिक्किमियों के लिए सिक्किम कभी भी पहले जैसा नहीं रहने वाला है। इसके अलावा राज्य में सीएए लागू कर के भी एसकेएम सरकार ने हमारे स्थानीय सुरक्षा कानून से समझौता किया है।

इसके साथ ही एसडीएफ नेता ने एसोसिएशन ऑफ ओल्ड सेटलर्स की 2013 की रिट याचिका पर 13 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सिक्किमी शब्द की परिभाषा में बदलाव को राज्य के लिए सबसे बड़ा संकट बताया। उन्होंने बताया कि सिक्किम सब्जेक्ट रजिस्टर 1961 और आर्टिकल 371एफ (के) के अनुसार सिक्किम की विशिष्टता, पहचान और

सिक्किमियों के विशेष अधिकारों से समझौता किया गया है। जबकि हमारा मानना है कि सिक्किम में सिक्किमियों का ही राज होना चाहिए। ऐसे में हम राज्य के सच्चे नागरिकों के हित में समझौता न करते हुए अपने रुख से एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे।

सिक्किम पहुंचे केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

सिक्किम को जोड़ने वाली रेल परियोजना का किया निरीक्षण

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 05 मार्च । भारत सरकार के रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव आज सिक्किम पहुंचे।

वह 'गो ग्रीन, गो ऑर्गेनिक' पर एक विशेष डाक कवर के लॉन्च कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सिक्किम का दौरा कर रहे हैं और आगे अपनी आधिकारिक प्रतिबद्धताओं के लिए मंगन जिले के लाचुंग भी जाएंगे। उनके साथ मंत्री के निजी सचिव श्री महात्मे संदीप नामदेव और मंत्री के ओएसडी श्री वेद प्रकाश भी हैं।

रंगपो टूरिस्ट सेंटर में उनके आगमन पर, बिजली और परिवहन मंत्री श्री एमएन शेरपा, परिवहन विभाग के सचिव श्री राज यादव, राज्य प्रोटोकॉल अधिकारी श्री पी पुल्गर, एसडीएम पाकिम श्री छिरिंग नोरग्याल थेंग, एसडीपीओ रंगपो श्री एल.बी छेत्री, पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इससे पहले, केंद्रीय मंत्री ने सिक्किम को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले सेवक-रंगपो के बीच प्रस्तावित रेल लिंक का निरीक्षण किया। सिक्किम के रास्ते में, पश्चिम बंगाल के राज्य मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सेवक में जंक्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया और अधिकारियों को इसे सिक्किम का प्रवेश द्वार बनाने के निर्देश दिए।

सिक्किम वर्तमान में केवल सड़क मार्ग (एनएच 10) से जुड़ा है जो बहुत खड़ी ढलानों और मानसून के दौरान अक्सर व्यवधानों से होकर गुजरता है। बढ़ी हुई ट्रैफिक मांग सड़क पर ज़बरदस्त दबाव डालती है जिससे यह क्षतिग्रस्त होने के प्रति अधिक सुभेद्य हो जाती है और यात्रा अधिक तनावपूर्ण हो जाती है। रेल कनेक्टिविटी एक विश्वसनीय और आरामदायक परिवहन अवसंरचना प्रदान करेगी। गंगटोक और उसके बाद भारत-चीन सीमा (यानी नाथुला पास तक) और रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका के साथ भविष्य में कनेक्टिविटी के साथ परियोजना का सामरिक महत्व भी है।

जी20 के तहत दो बैठकों की मेजबानी मिलना सिक्किम के लिए गर्व की बात : विकास बस्नेत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 मार्च । सिक्किम को जी20 के तहत दो बैठकों की मेजबानी मिलने को मुख्यमंत्री के प्रेस सचिव विकास बस्नेत ने इसे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्मंत्री की ओर से किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की है।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि भारत द्वारा 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक एक वर्ष के लिए जी 20 की अध्यक्षता संभालने के बाद, यह देश भर में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा। सिक्किम को भी इसके तहत दो कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर मिलेगा। जी20 दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है, जिसमें 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। सामूहिक रूप से, जी20 वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 85 प्रतिशत, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत और दुनिया की दो-तिहाई आबादी का हिस्सा है। जी20 अध्यक्षता के दौरान, भारत देश भर के 56 शहरों में विभिन्न समूहों की 215 बैठकों की मेजबानी करेगा।

बस्नेत ने कहा कि सिक्किम को भारत की जी20 अध्यक्षता के हिस्से के रूप में मार्च के महीने में दो बैठकों की मेजबानी के लिए चुना गया है, जो राज्य के लिए बहुत गर्व की बात है। सिक्किम 16 मार्च 2023 को बिजनेस डे (बी20) और 18 और 19 मार्च 2023 को स्टार्टअप 20 की मेजबानी करेगा। इन बैठकों में जी20 देशों के लगभग 80 प्रतिनिधि भाग लेंगे। विशेष रूप से, सिक्किम एकमात्र उत्तर-पूर्वी राज्य है जिसे भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत दो अलग-अलग कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए चुना गया है। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में सिक्किम को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिल रहा है और मुख्यमंत्री श्री प्रेमसिंह तमांग के केंद्र सरकार के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं इसलिए राज्य को इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि राज्य में जी20 कार्यक्रम इसकी आर्थिक क्षमता को उजागर करेगा और जी20 देशों के व्यापारिक समुदायों के साथ साझेदारी का मार्ग प्रशस्त करेगा। अपनी सुंदर प्राकृतिक दृष्यों और रणनीतिक स्थान के लिए भी जाना जाने वाला सिक्किम निश्चित रूप से पर्यटन, आतिथ्य, कृषि और फार्मास्यूटिकल्स में बहुपक्षीय व्यापार साझेदारी के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करेगा और सामूहिक रूप से जी20 देशों के सम्मानित प्रतिनिधियों को हमारी आर्थिक ताकत दिखाएगा। व्यक्तियों को अपने प्रयासों को अगले स्तर तक ले जाने के लिए यह एक मंच प्रदान करेगा। पिछले कुछ वर्षों में सिक्किम के युवाओं की मानसिकता में स्पष्ट और सकारात्मक बदलाव आया है और अब स्टार्टअप संस्कृति में भी वृद्धि हुई है। दो दिवसीय स्टार्टअप 20 एंगेजमेंट सिक्किम के युवाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के साथ-साथ विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करेगा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के दूरदर्शी नेतृत्व में कई आत्मनिर्भर पहल और स्टार्टअप योजनाएं लागू की जा रही हैं, उद्यमियों के लिए आत्मनिर्भरता के अवसर पैदा किए जा रहे हैं, लेकिन इस वर्ष का स्टार्टअप 20 निश्चित रूप से इस क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करेगा। राज्य के आर्थिक, सामाजिक, उद्योग और पर्यटन क्षेत्र को इससे काफी फायदा मिलेगा।

बस्नेत ने कहा कि इस वर्ष भारत द्वारा जी20 की अध्यक्षता करने के साथ, दो अलग-अलग कार्यक्रमों की मेजबानी करने का अवसर मिलना गर्व की बात है। प्रगति और विकास के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे सिक्किम को सही नेतृत्व दे रहे वर्तमान सरकार के मुख्यमंत्री श्री प्रेमसिंह तमांग के नेतृत्व में ही ये ऐतिहासिक कार्य संभव थे। इस

प्रकार का अंतरराष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम सिक्किम में पहली बार हो रहा है। इससे राज्य की प्रतिष्ठा बढ़ाने के साथ-साथ सिक्किम की अर्थव्यवस्था और पर्यटन व्यवसाय में काफी सुधार होगा और सिक्किम विश्व मानचित्र पर भी प्रसिद्धि प्राप्त करेगा।

उन्होंने कहा कि सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी सिक्किम के सभी लोगों के साथ मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करती है, जो सिक्किम में इस तरह के बड़े अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के आयोजन के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं और उत्कृष्ट समन्वय स्थापित करने में सफल रहे हैं। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य केंद्रीय मंत्रियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित किए हैं।

आक्रमण एससी और रोअरिंग लेपर्ड एफसी का मैच ड्रा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 मार्च । सिक्किम प्रीमियर लीग 2023 के पांचवें दौर के आज यहां पाल्जोर स्टेडियम में खेले गये मैच में टीएएएस अध्यक्ष सोनम नोर्गे लाचुंग्पा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। आक्रमण एससी और रोअरिंग लेपर्ड एफसी के बीच खेला गया यह मैच 2-2 गोल की बराबरी पर रहा और दोनों टीमों ने एक अंक प्राप्त किया।

मैच में उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए रोअरिंग लेपर्ड के अभिजीत सुब्बा को मोस्ट इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द मैच और किंतोक लाचुंग्पा को हीरो ऑफ द मैच घोषित किया गया। इस अवसर पर पाकिम जिला कलेक्टर ताशी चोफेल के अलावा कई पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी, फुटबॉल डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और भारी संख्या में खेल प्रेमी भी उपस्थिति थे।

आईएलपी पर जन सुनवाई आज

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 मार्च । सिक्किम में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) के कार्यान्वयन की दिशा में कल दोपहर 2 बजे स्थानीय चिंतन भवन में एक जन सुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इसमें आईएलपी पर स्थिति स्पष्ट करने तथा इसकी पेचीदगियों पर समझ हेतु बातचीत की जाएगी।

गौरतलब है कि सिक्किम सरकार राज्य में इनर लाइन परमिट (आईएलपी) की आवश्यकता की निगरानी हेतु अधिसूचना जारी कर एक समिति गठित करने की घोषणा कर चुकी है। इस समिति ने राज्य में आईएलपी की आवश्यकता और वांछनीयता पर जनता और हितधारकों से उनके विचार आमंत्रित की थी और इसमें बड़ी संख्या में अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, उक्त जन सुनवाई में सभी आवेदक संघों, संगठनों और लोगों से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। प्रत्येक संगठनों से अधिकतम पांच सदस्यों के साथ इसमें शामिल होने और सरकार को अग्रिम ईमेल से इसकी सूचना देने को कहा गया है।

उल्लेखनीय है कि इनर लाइन परमिट (आईएलपी) पर बनी कमिटी की दूसरी बैठक गत 14 फरवरी को आईएलपी समिति अध्यक्ष तथा सेवानिवृत्त सचिव संत प्रधान की अध्यक्षता में ताशीलिंग सचिवालय के स्वास्थ्य विभाग के सभागार में हुई थी।

इस सम्बंध में राज्य स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग के सचिव छेवांग ग्याछो ने बताया कि आईएलपी समिति की पहली बैठक में एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया गया था। इसी तरह 14 फरवरी को हुई दूसरी बैठक से खुली प्रतिक्रिया तथा सुझावों के साथ विभिन्न मुद्दों को सम्बोधित करने की उम्मीद है।

कोनराड संगमा मंगलवार को मेघालय सीएम पद की लेंगे शपथ, हमारे पास बहुमत है: एनपीपी नेता

शिलांग, 05 मार्च (एजेन्सी)। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने मेघालय में सरकार बनाने के लिए बहुमत होने का दावा किया है और कोनराड संगमा मंगलवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

एनपीपी के प्रवक्ता सैदुल खान ने रविवार को आईएएनएस से कहा, हिल स्टेट पीपुल्स डेमोकेट्रिक पार्टी (एचएसपीडीपी) के दो विधायक हैं, और उन्होंने हमारी पार्टी को अपना समर्थन दिया है। हमारे पार्टी प्रमुख ने राज्यपाल को अपना समर्थन पत्र पहले ही सौंप दिया है। नए विधायक सोमवार को शपथ लेंगे।

खान ने कहा, कोनार्ड संगमा मंगलवार को मेघालय के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

इस बीच, जब आईएएनएस ने रविवार को एचएसपीडीपी के पार्टी अध्यक्ष केपी पांगनियांग से ताजा घटनाक्रम पर संपर्क किया, तो उन्होंने कहा, हम अभी भी बैठक में हैं। मैं अभी किसी भी चीज पर टिप्पणी नहीं कर सकता।

विशेष रूप से, कोनराड संगमा के भाजपा, हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (एचएसपीडीपी) के विधायकों और दो निर्दलीय विधायकों के समर्थन से एक नई सरकार बनाने का दावा करने के बाद, एचएसपीडीपी पार्टी ने दावा किया कि उन्होंने विधायकों को संगमा को समर्थन देने के लिए अधिकृत नहीं किया है, और वे समर्थन वापस लेने का बयान पहले ही जारी कर चुके हैं।

एचएसपीडीपी पार्टी के अध्यक्ष केपी पांगनियांग ने शनिवार को आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा, हमारे विधायक हमारे साथ हैं। पार्टी सर्वोच्च है और वे पार्टी के फैसले का पालन करेंगे।

हालांकि, उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि क्या एचएसपीडीपी मेघालय में एनपीपी को सत्ता से बाहर रखने के लिए कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, यूडीपी और अन्य क्षेत्रीय दलों के संयोजन का समर्थन करेगी।

न्यायपालिका को विपक्ष बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेन्सी)। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने एक बार फिर से न्यायपालिका को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय न्यायपालिका को कभी भी विपक्ष बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

ओडिशा के भुवनेश्वर में सेंट्रल गवर्नमेंट लॉ ऑफिसर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कानून मंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत विरोधी विदेशी ताकतें टुकड़े-टुकड़े गैंग की मदद से भारत पर हमला करती हैं।

किरेन रिजिजू ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका स्वतंत्र है और न्यायपालिका को कभी भी विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। कोई भी भारतीय लोकतंत्र पर सवाल नहीं उठा सकता क्योंकि लोकतंत्र हमारे खून में है।

रिजिजू ने कहा कि आजादी के नाम पर किसी को कुछ भी करने की छूट नहीं दी जा सकती, अगर ऐसा हुआ तो कानून व्यवस्था का क्या होगा!

कानून मंत्री ने कहा कि टुकड़े-टुकड़े गैंग के सदस्यों को यह समझ लेना चाहिए कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी तरह से कायाकल्प होने की यात्रा पर निकल चुका है। इन गैंगों को भारत विरोधी विदेशी ताकतों से मदद मिलती है। ये ताकतें भारतीय लोकतंत्र, भारत सरकार, न्यायपालिका और अन्य अहम संस्थाओं जैसे सेना, चुनाव आयोग और जांच एजेंसियों पर हमला करती रहती हैं।

कार्यक्रम के दौरान कानून मंत्री ने कहा कि देश के भीतर और बाहर से यह दिखाने की कोशिश की जा रही है कि भारतीय न्यायपालिका संकट में है।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सोशल मीडिया पर जजों को भला-बुरा कहा जाता है अगर सरकार को लेकर ऐसी बातें होती हैं तो इनका स्वागत है लेकिन न्यायपालिका की इस तरह आलोचना सही संकेत नहीं है।

कानून मंत्री ने कहा कि 'जब हम भारत को सुरक्षित बनाना चाहते हैं तो हमें सख्त कानून बनाने होंगे। इनके बिना आजादी नहीं बचेगी। जब तक हमारी सीमा सुरक्षित है तब तक हम संविधान में दी गई सभी गारंटियों को लागू कर सकते हैं अन्यथा देश में अराजकता फैल जाएगी। हमें अपने समाज को प्रावधानों से युक्त बनाना होगा तभी हम पूरी तरह सुरक्षित होंगे। जिस तरह एक बॉडी बिल्डर को शेप में आने केलिए खूब पसीना बहाना पड़ता है उसी तरह आजादी और अधिकार पाने के लिए भी हमें कई चीजों का त्याग करना होगा।'

कांग्रेस-बीजेपी 23 सालों से छत्तीसगढ़ को लूट रही हैं : अरविंद केजरीवाल

जयपुर, 05 मार्च (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर पिछले 23 वर्षों से छत्तीसगढ़ को लूटने का आरोप लगाया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे राज्य को भ्रष्टाचार और माफिया राज' से छुटकारा दिलाने के लिए उनकी पार्टी को एक मौका दें। छत्तीसगढ़ में इस साल के अंत में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के लिए चुनावी बिगुल फूंकते हुए उन्होंने लोगों से वोट डालने से पहले अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखने को कहा।

केजरीवाल ने राजधानी रायपुर के बाहरी क्षेत्र में जोरा मैदान में आप' कार्यकर्ताओं की रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि वह उद्योगपति गौतम अडाणी को अपने मुंह-बोला' भाई की तरह ख़्यार करते हैं और देश में सब कुछ उन्हें सौंप रहे हैं।

दिल्ली आबकारी नीति मामले में हाल में गिरफ्तार किए गये आप' नेता मनीष सिसोदिया को एक संत' और महात्मा' बताते हुए उन्होंने कहा कि सिसोदिया को जेल में डालने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को दिल्ली के छात्रों और गरीब लोगों की नाराजगी का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ खनिज संपन्न राज्य है, लेकिन राज्य के लोग प्रतिभावान और मेहनती होने के बावजूद गरीबी से जूझ रहे हैं... पिछले 23 वर्षों में (2000 में छत्तीसगढ़ को मध्य प्रदेश से अलग किए जाने के बाद), भाजपा ने 15 साल तक शासन किया, जबकि शेष अवधि में कांग्रेस ने इस पर राज किया। उन्होंने राज्य को लूटने के अलावा कुछ नहीं किया। यदि इनमें से कोई फिर से सत्ता में आया, तो यह लूट जारी रहेगी।'' उन्होंने लोगों से भ्रष्टाचार और माफिया राज' से निजात पाने के लिए छत्तीसगढ़ में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को मौका देने की अपील की।

देश में महिलाओं के खिलाफ़ हिंसा छिपा हुआ मुद्दा : राहुल

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों लंदन यात्रा पर हैं, पहले कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और अब लंदन में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की है। लंदन में एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पाया कि देश में मुख्य मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी हैं। इसके अलावा महिलाओं के खिलाफ हिंसा भी एक छिपा हुआ मुद्दा है।

रविवार को लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मुझे भारतीय राजनीति और वैश्विक राजनीति पर बात करने के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में बोलने की अनुमति दी गई थी, जो मैंने किया, और वहां काफी अच्छा माहौल है। मैं सोच रहा था कि जब मैं वहां बोल रहा था, यह काफी अजीब है कि एक भारतीय राजनेता, एक नेता कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय और हार्वर्ड विश्वविद्यालय में भाषण दे सकता है, लेकिन वह भारत के एक विश्वविद्यालय में भाषण नहीं दे सकता है। केंद्र पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि विपक्ष को संसद में मुद्दे उठाने की इजाजत नहीं है।

किसी का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि एक या दो व्यवसायी लगभग हर व्यवसाय को नियंत्रित करते हैं। वह हाल ही में प्रसिद्ध हुए हैं, आप उनकी संपत्ति पर रिपोर्ट देख सकते हैं। यह भारतीय लोगों की कीमत पर है। एक व्यक्ति अपने राजनीतिक संबंधों के कारण सारा पैसा कमा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विपक्ष के किसी भी विचार और विपक्ष की किसी भी अवधारणा पर चर्चा करने की अनुमति नहीं देती है। संसद भवन में भी ऐसा ही होता है, जब हमें महत्वपूर्ण चीजों के बारे में बात करनी होती है और नोटबंदी, जीएसटी, चीनीयों का हमारे क्षेत्र के अंदर आना जैसे सवालों को उठाने की कोशिश करते हैं, तो हमें उन्हें सदन में उठाने की अनुमति नहीं दी जाती है।

राहुल गांधी ने कहा कि यह एक सच्चाई है, यह शर्मनाक है, लेकिन यह सच है, और यह वह भारत नहीं है जिसके हम सभी आदी हैं। हमारा देश एक खुला देश है जहां हम अपनी बुद्धिमत्ता पर गर्व करते हैं, एक-दूसरे की राय का सम्मान करते हैं, एक-दूसरे की बात सुनते हैं जो अब नष्ट हो चुका है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के पीछे का मकसद सीधे जनता के बीच जाना है।

कांग्रेस नेता राहुल ने कहा कि भारत में कई महान लोग यात्रा पर गए हैं, सबसे प्रसिद्ध यात्रा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा की गई थी। विवेकानंद जी जाहिर तौर पर देश भर में चले। गुरु नानक जी देश भर में चले। लोगों की एक सूची है, जिन्होंने यात्रा के इस विचार का

साहस और कायरता के बीच है लड़ाई

उपयोग किया। और यह यात्रा वास्तव में एक आत्मनिरीक्षण है, लोगों को सुनने का प्रयास है, और लोगों की आवाज सुनने का प्रयास है। यात्रा के बारे में बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं के खिलाफ हिंसा देश में प्रमुख मुद्दे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि वह अपनी आलोचनाओं से नहीं डरते हैं और यह साहस तथा कायरता और प्रेम तथा घृणा के बीच की लड़ाई है। आगे कहा कि जितना वह मेरे ऊपर हमला करेंगे, मेरे लिए उतना अच्छा होगा, क्योंकि मैं (उन्हें) उतना बेहतर समझ पाउंगा। यह साहस और कायरता के बीच की लड़ाई है। यह सम्मान और अपमान के बीच की लड़ाई है। यह लड़ाई प्रेम और घृणा के बीच है।

वहीं, एक साक्षात्कार में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की टिप्पणी के संदर्भ में राहुल गांधी ने कहा कि अगर आप विदेश मंत्री के बयान पर गौर करें तो, उन्होंने कहा कि चीन हमसे कहीं ज्यादा शक्तिशाली है। यह सोचना कि चीन हमसे ज्यादा शक्तिशाली है, मैं उसके खिलाफ कैसे लड़ सकता हूं? इस विचारधारा की जड़ में कायरता है। वहीं, भाजपा ने राहुल गांधी पर विदेश की धरती पर भारत की छवि खराब करने और चीन की प्रशंसा करने का आरोप लगाया है।

'पड़ोस प्रथम' नीति के तहत भूटान को भारत की आर्थिक सहायता

सिलीगुड़ी, 05 मार्च । भारत पड़ोस प्रथम नीति के तहत अपने सभी पडोसी देशों का खास ख्याल रखता है। भारत की तरफ से पूरे भूटान में द्विपक्षीय मैत्री प्रोजेक्ट किए जा रहे हैं और विकास परियोजनाओं का क्रियान्वन किया जा रहा है।

इसी क्रम में 12वीं पंचवर्षीय योजना (एफवाईपी) के लिए भूटान की शाही सरकार और भारत सरकार के बीच 5वीं भूटान-भारत लघु विकास परियोजना (एसडीपी)/उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना (एचआईसीडीपी) समिति की बैठक थिम्फू में 28 फरवरी को आयोजित की गई।

भूटान में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया कि 5वीं भूटान-भारत उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजना समिति (एचआईसीडीपी) की बैठक आज थिम्पू में आयोजित की गई। समिति ने भूटान में 20 जोंगखाग और 4 थ्रोमडे में कार्यान्वित की जा रही 524 परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

गौरतलब है की इससे पहले भी एक विशेष समारोह के दौरान भारत ने आईएनआर 1 बिलियन की प्रारंभिक अनुदान दिया था।

बैठक के दौरान, दोनों सरकारों ने जल आपूर्ति, शहरी आधारभूत संरचना, .षि सड़कों, सिंचाई चौनलों, पुलों, स्वास्थ्य और शिक्षा के बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में स्थानीय सरकारों के लिए 12वीं पंचवर्षीय योजना में 8500 मिलियन स्वी.त किए गए थे। कमिटी ने कहा कि 5206.189 मिलियन रुपये की 392 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और शेष परियोजनाएं पूरी होने वाली हैं।

फ्लिपकार्ट इंडिया ने किया 'समर्थ कृषि' कार्यक्रम शुरु

सिलीगुड़ी, 05 मार्च । फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भारत के .षक समुदायों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को अपने मंच के माध्यम से देश भर के बाज़ार तक पहुंच और मोलभाव की ज्यादा शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से आज 'फ्लिपकार्ट समर्थ कृषि' कार्यक्रम शुरू किया।

भारतीय किसानों को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, 'फ्लिपकार्ट समर्थ कृषि' कार्यक्रम का उद्देश्य बाज़ार पहुंच प्रदान करने और किसानों की क्षमता निर्माण करना है।

इसके अतिरिक्त, यह उन्हें निरंतर विकास करने, बाज़ार के लिए तैयार होने और प्रासंगिक साझेदारी के माध्यम से मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनने में मदद करेगा।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में किसानों और एफपीओ को उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए टैक्नोलॉजीज और सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रशिक्षित किया जाएगा और उन्हें कुशल बनाया जाएगा।

फ्लिपकार्ट इंडिया ने एफपीओ को अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर जोड़ने के लिए कई उद्योग और सरकारी निकायों के साथ सक्रिय भागीदारी और सहयोग किया है। इन साझेदारियों के माध्यम से फ्लिपकार्ट इंडिया सीधे किसानों और एफपीओ से दालें, बाजरा तथा साबुत मसाले की आपूर्ति लेने में सक्षम हुआ है, जिससे स्थानीय कृषि-अर्थव्यवस्था और पूरे भारत में हज़ारों किसानों की आजीविका को बढ़ावा मिला है।

फ्लिपकार्ट समूह के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय कृषि क्षेत्र और ग्रामीण समुदायों के बीच महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पैदा करना है।

सीग्राम केरॉयल स्टैग ने नए भारत के लिए नई म्यूजिक प्रोपर्टी की शुरुआत की

सिलीगुड़ी, 05 मार्च । 'लिविंग इट लार्ज' की स्प्रिटको सेलीब्रेट करते हुए, सीग्राम का रॉयल स्टैग रॉयल लाया है अपने किस्मे का पहला संगीतमय अनुभव, जिसका नाम है रॉयल स्टैग बूमबॉक्स । यह युवा पीढ़ीकी आवाज है, एक ऐसा वर्ग जो पुराने ट्रेंड्स पर चलने के बजाय, खुद के ट्रेंड्स बनाने में विश्वालस रखता है; ऐसा वर्ग, जो आत्मा, को तृसप करने वाले नए अनुभवों की निरंतर खोज में रहत है। सोमवार, 27 फरवरी, 2023 को मुंबई में एक एक्सक्लूसिव प्रिव्यू में ब्रांड ने स्टोर में उपलब्ध चीजों की एक झलक दिखाई गई। रॉयल स्टैग बूमबॉक्स म्यूरजिक इंडस्ट्री के दो अलग-अलग शैलियों को एक साथ लाया है, जिसमें बॉलीवुड की मेलोडीऔर हिप-हॉप की गली वाइब को साथ लाया गया है, जो ओरिजनल म्यूवजिक और नया साउंडस्के प बनाते हैं।

विगत कई वर्षों से, ब्रांड के लिए संगीत एक महत्वकपूर्ण कंज्यू मर इंगेजमेंट पिलर रहा है। आजके युवा संगीत के नित नए रूपों को तलाश रहे हैं। हिप-हॉप जैसी समकालीन शैली देश के युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है, जबकि बॉलीवुड की धुनें उनके सांस्कृतिक परिवेश का अभिन्न अंग बनी हुई हैं। रॉयल स्टैग बूमबॉक्स इस पीढ़ी की कल्पना कोसाकार करना चाहता है, जो संगीत उन्हें विरासत में मिला है, उस शैली के साथ जो उनसे बात करती है, वोहिप हॉप है। इस मिश्रण में हिन्दी सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ रचनाओं का स्वैग और इमोशनल हेट के साथ हिप-हॉप की थ्रोबिंग वाइब और ताक़त होगी।

रॉयल स्टैहग बूमबॉक्सकेअनावरण पर कार्तिक मोहिन्द्रा, सीएमओ, पनोर्डरिकार्ड इंडिया ने कहा, रॉयल स्टैग बूमबॉक्स 'लिविंग इट लार्ज' के रॉयल स्टैग केदर्शन का विस्तार है औरएक साथ आने और नए अनुभवों का आनंद लेने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है । इसने दो रोमांचक शैलियों, हिप-हॉप और मेलोडी को मिलाकर एक नया साउंडस्केप बनाया है; यह युवा भारत की नई रिदमबन सकता है !ळ यह महोत्सव पांच भारतीय शहरों -पुणे , इंदौर, मणिपाल, भुवनेश्वर और जालंधर का टूरकरने के लिए तैयार है, जहां तकरीबन 50,000 लोग अपने जीवन के बेहतरीन पल बिताने के लिए तैयार हैं।

वी ने प्रीपेड यूजर्स को मात्र ₹ 99 में नेटवर्क में शामिल होने के लिए किया आमंत्रित

सिलीगुड़ी, 05 मार्च । वी ने पश्चिम बंगाल के यूज़र्स को मात्र ₹ 99 में अपने नेटवर्क में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। वी देश भर में मात्र ₹ 99 की किफ़ायती कीमत पर प्रविष्टि स्तर का रीचार्ज लाने वाला एकमात्र ब्राण्ड है। इस अवसर पर वी ने एक क्रिएटिव कैंपेन का लॉन्च भी किया है, जिसके माध्यम से कंपनी मोबाइल यूज़र्स को 'वी पर स्विच' करने के लिए आमंत्रित कर रही है।

मात्र ₹ 99 के इस रीचार्ज के साथ यूज़र 28 दिनों के लिए फुल टॉक टाईम के साथ 200 एमबी डेटा के फायदे पा सकते हैं। सुकंता दास, क्लस्टर बिज़नेस हैड- ईस्ट, वोडाफ़ोन आइडिया लिमिटेड ने कहा, अब पश्चिम बंगाल में मोबाइल यूज़र्स एवं नॉन- यूज़र्स मात्र रु99 में मोबाइल कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकते हैं।

इस ऑफर के साथ, हम समावेशन को बढ़ावा देना चाहते हैं और सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अधिक से अधिक यूज़र्स हर समय कनेक्टेड बने रह सकें।

वी आरसी 99 देश भर में सभी प्री-पेड उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध है।

एचडीएफसी लाइफ का गारंटीड इनकम इंश्योरेंस प्लान

सिलीगुड़ी, 05 मार्च । भारत की प्रमुख लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक एचडीएफसी लाइफ ने एचडीएफसी लाइफ गारंटीड इनकम इंश्योरेंस प्लान लॉन्च किया है। यह प्रोडक्ट नियमित टैक्स फ्री लाभ और मृत्यु लाभ की गारंटी देता है।

एचडीएफसी लाइफ द्वारा लगातार ऐसे प्रोडक्ट पेश करने की कोशिश की जाती है, जो ग्राहकों के लिए जीवन के विभिन्न चरणों की ज़रूरतों को पूरा करें। एचडीएफसी लाइफ गारंटीड इनकम इंश्योरेंस प्लान के जरिये, कंपनी ग्राहकों को अपने लिए एक पूंजी निर्माण करने का मौका देती है, जो उन्हें नियमित एवं गारंटी.त आमदनी के साथ लगातार मदद करती रहेगी।

यह प्लान पॉलिसी की सम एश्योर्ड राशि का 11 प्रतिशत से 12 प्रतिशत हिस्सा प्रतिवर्ष गारंटी.त आमदनी के रूप में प्रदान करता है। पॉलिसी ऑनलाइन खरीदने पर पहले वर्ष के प्रीमियम पर छूट भी मिलेगी; 8 से 10 वर्ष की प्रीमियम भुगतान अवधि (पीपीटी) पर 12 प्रतिशत की छूट और 12 एवं 15 वर्ष के पीपीटी पर 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। नए प्लान के लॉन्च पर बोलते हुए अनीश खन्ना - हेड, प्रोडक्ट्स एंड सेगमेंट्स, एचडीएफसी लाइफ ने कहा, हम आशा करते हैं कि लोग इस प्लान का पूरा फायदा उठाएंगे और भविष्य के लिए एक पूंजी निर्माण करने के साथ अपने और अपने परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा कवच भी तैयार करेंगे।

२३ नदियों का होगा विकास, कार्गो-यात्री जहाज भी चलेगा : सर्बानंद सोनोवाल

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि सरकार का ध्यान जल मार्ग को दुरुस्त करने पर है। इसके जरिए माल और यात्री जहाजों की आवाजाही के लिए कम से कम 23 नदियों के सिस्टम को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य सस्ते परिवहन लागत पर माल और यात्री जहाजों की आवाजाही में सुधार के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों का उपयोग करना है।

सोनोवाल ने कहा, 'अब तक हमारे पास 111 राष्ट्रीय जलमार्ग हैं, हमने 23 नदी प्रणालियों की खोज की है जो नेविगेशन के लिए व्यवहार्य हैं। इन्हें कार्गो और यात्री जहाजों की आवाजाही के हिसाब से विकसित किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि डिब्रूगढ़ में मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का निर्माण मल्टी-कोर निवेश के साथ 2023 के अंत तक शुरू हो जाएगा।

सोनोवाल ने कहा, 'ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे काफी विकास होगा, जिससे लोगों के लिए बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होंगे। सरकार के 'अर्थ गंगा' मॉडल के तहत, यात्री और कार्गो-जहाजों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए गंगा नदी के किनारे 62 घाट विकसित किए जाएंगे।'

सोनोवाल ने सभी 23 नदी प्रणालियों का नाम नहीं लिया, लेकिन कहा कि सरकार का ध्यान नदी प्रणालियों के माध्यम से आवाजाही बढ़ाने पर है, जो परिवहन का एक हरित तरीका है और ट्रेनों और ट्रकों की तुलना में सस्ता है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स पॉलीमर्स लिमिटेड (बीसीपीएल) मध्य पूर्व से नैफ्था का आयात करती है। राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी इसे पश्चिम बंगाल के हल्दिया बंदरगाह पर उतारती है, जहां से इसे ट्रकों के माध्यम से असम के डिब्रूगढ़ ले जाती है।

सोनोवाल ने कहा, 'आवागमन प्रतिदिन 500 ट्रकों के माध्यम से होता है जो प्रदूषण पैदा करता है। जब इसे नदी प्रणाली के माध्यम से लाया जाता है। यह सस्ता और हरित होगा।' उन्होंने कहा, 'भारत के अंतर्देशीय जलमार्ग क्षेत्र में निवेश के बहुत सारे अवसर हैं।'

उन्होंने दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास का उदाहरण भी दिया। इस क्रूज ने मंगलवार को जर्मन और स्विस पर्यटकों के साथ डिब्रूगढ़ में अपनी 50-दिवसीय यात्रा समाप्त की है।

नई रोजगार नीति पर झारखंड विधानसभा में हंगामा, दो बार स्थगित हुई सदन की कार्यवाही

रांची, 05 मार्च (एजेंसी)। झारखंड में विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा विधायकों ने नई रोजगार नीति पर जबरदस्त हंगामा किया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही को दो बार स्थगित करना पड़ा। भाजपा विधायकों का आरोप था कि नई रोजगार नीति का मसौदा सदन को विश्वास में लिए बिना ही पारित कर दिया गया। बता दें, इससे पहले नई रोजगार नीति को विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया था। हालांकि, झारखंड हाईकोर्ट ने इस इसे रद्द कर दिया था।

नई रोजगार नीति पर भाजपा विधायकों के विरोध के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, भाजपा विधायकों विरोध दर्ज कराते हुए अध्यक्ष के वेल में पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। इसके बाद सदन की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दिया गया। इसके बाद जैसे ही दोबारा कार्यवाही शुरू हुई, भाजपा विधायकों ने फिर से हंगामा किया, जिसके बाद सदन को दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दिया गया।

दूसरे हाफ में भी विधानसभा में भाजपा विधायकों का हंगामा जारी रहा। इस कारण करीब 40 मिनट सदन चलने के बाद उसे 13 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। झामुमो के वरिष्ठ नेता लोबिन हेम्ब्रोम ने कहा कि कैबिनेट द्वारा नई भर्ती नीति को कथित तौर पर मंजूरी दिए जाने के बाद राज्य में भ्रम की स्थिति है। अगर सरकार ने कैबिनेट में कोई रोजगार नीति पारित की है, तो उसे विधानसभा में घोषित किया जाना चाहिए। यदि नहीं, तो इसे सदन की अवमानना माना जाना चाहिए।

गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र के 13 लोग असम के भ्रमण पर रवाना

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 05 मार्च। पश्चिम सिक्किम गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र के रातोमाटे स्थित हिमालय साइन्स सोसाइटी (एचएसएस) सचिव तथा समाज सेवक डा टीका प्रसाद शर्मा ने आज इसके बर्मेक, मार्तम, सम्बोक और रूंगडु गांव के 13 लोगों को असम के गुवाहाटी स्थित विभिन्न धार्मिक स्थलों के साथ ही बांस द्वारा निर्मित हस्तकला के शैक्षिक भ्रमण के लिए रवाना हुए।

डा टीका प्रसाद शर्मा की ओर से इस भ्रमण के विषय में दी गई जानकारी के अनुसार हिमालय साइन्स सोसाइटी की ओर से रातो माटे में गत कुछ वर्षो से बांस से निर्मित विभिन्न सामानों के प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना कर लगातार सिक्किम सरकार के सहयोग से स्थानीय नागरिकों के लिए प्रशिक्षण देने का काम किया जा रहा है। सरकार द्वारा अनुमोदित धनराशि से दस प्रतिशत बचत कर विभिन्न सामाजिक कार्य में खर्च किए जाने की भी उन्होंने जानकारी दी। इसी प्रकार प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न फार्म हाउस के शैक्षिक भ्रमण के साथ ही तीर्थ यात्रा कराने की भी उन्होंने जानकारी दी।

शैक्षिक भ्रमण में विशेष रूप से कृषि, बागवानी और विभिन्न निर्सरी का परिभ्रमण कराने और तीर्थ यात्राओं में कामख्या मन्दिर, उमाकान्त के साथ ही आसपास के धार्मिक स्थलों का समावेश किया गया है।

इसके अतिरिक्त उत्तर पूर्व ईख र बांस विकास परिषद असम फियर कला और शिल्प समाज का भी भ्रमण कराने की उन्होंने जानकारी दी। आज प्रस्थान करने वाली टोली में में गेजिंग बर्मेक निर्वाचन क्षेत्र के 32 बर्फोक चन्दाबुंग ग्राम पंचायत इकाई के तातोपानी ताकलाक वार्ड की पंचायत सदस्य चन्द्र माया राई ने लेक्शेप में खादा लगाकर शुभकामना दी।

पूर्व आईएएस प्रदीप शर्मा गिरफ्तार, कच्छ में अवैध रूप से जमीन आवंटन का मामला

अहमदाबाद, 05 मार्च (एजेंसी)। गुजरात सीआईडी ने रविवार को पूर्व आईएएस अधिकारी प्रदीप शर्मा को गिरफ्तार किया है। शर्मा पर आरोप है कि उन्होंने कच्छ जिले के कलेक्टर के रूप में अपने कार्यकाल (2004-05) के दौरान कम कीमत पर अवैध रूप से भूमि आवंटित किया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

पुलिस उपाधीक्षक (सीआईडी अपराध) वीके नाई ने बताया कि कच्छ जिले के भुज में सीआईडी (अपराध) सीमा क्षेत्र पुलिस थाने में 1984 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी शर्मा और दो अन्य के खिलाफ शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि शर्मा को रविवार की सुबह गांधीनगर से हिरासत में लिया गया और रविवार की सुबह गिरफ्तार किया गया।

शर्मा ने अतीत में दावा किया था कि गुजरात में तत्कालीन नरेंद्र मोदी सरकार ने उन्हें प्रताड़ित किया। कच्छ जिले के गांधीधाम तालुका के चुडवा गांव में भूमि आवंटन के इस नए मामले में उनके खिलाफ आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक साजिश के आरोपों में मामला दर्ज किया गया है।

प्राथमिकी में कहा गया है कि उन्होंने कलेक्टर के रूप में अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके मूल्यांकन निर्धारित करने के सरकार के प्रावधानों की अनदेखी की और कथित तौर पर बहुत कम कीमत पर सरकारी भूमि आवंटित की, जिससे राज्य के खजाने को नुकसान हुआ। भूमि आवंटन का यह मामला नवंबर 2004 और मई 2005 के बीच का है।

इसमें कहा गया है कि शर्मा ने कथित तौर पर तत्कालीन रेजिडेंट डिप्टी कलेक्टर और भुज टाउन प्लानर के साथ आपराधिक साजिश रची, जिन्हें भी मामले में आरोपी के रूप में नामित किया गया है। वर्ष 2003 से 2006 के बीच कच्छ के कलेक्टर रहे शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के कई मामले दर्ज हैं और उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में भी गिरफ्तार किया गया था जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है।

सितंबर 2014 में शर्मा को राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक व्यापारिक समूह से 29 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था। शिकायत के मुताबिक, उन्होंने 2004 में एक समूह को मौजूदा बाजार दर के 25 फीसदी पर एक जमीन आवंटित की थी, जिससे राज्य के खजाने को लगभग 1.2 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। बदले में कंपनी ने कथित तौर पर शर्मा की पत्नी को अपनी एक सहायक कंपनी में बिना कोई निवेश किए 30 फीसदी की हिस्सेदारी दी और उन्हें 29.5 लाख रुपये का लाभ दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले उनके खिलाफ दर्ज मामलों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने के उनके आवेदन को खारिज कर दिया था।

हिन्दुओं को कैलासा की नागरिकता बांट रहा भगोड़ा नित्यानंद, ट्विटर पर शेयर किया ई-फॉर्म

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसी)। काल्पनिक देश कैलासा का रिजर्व बैंक, खुद की करंसी और अलग संविधान होने का दावा करने के बाद भगोड़ा नित्यानंद अब अपने तथाकथित देश की नागरिकता भी बांट रहा है। इसको लेकर बाकायदा वैरिफाइड ट्विटर अकाउंट से एक पोस्ट भी शेयर किया गया है। लोगों ने नागरिकता लेने की अपील की जा रही है।

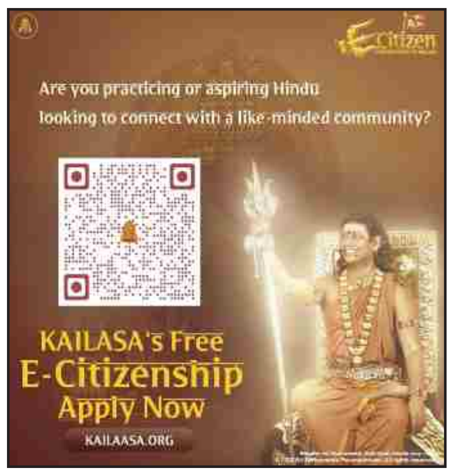

ट्विटर पर कैलासा के अकाउंट से शेयर किए गए पोस्ट में कहा गया है कि अगर आप हिंदू धर्म का पालन करते हैं और हिंदू विचारधारा से जुड़ना चाहते हैं तो कैलासा की ई-नागरिकता ले सकते हैं। यह नागरिकता मुफ्त में दी जा रही है। नागरिकता के लिए आपको खुद से संबंधित कुछ जानकारियां एक ऑनलाइन फार्म में भरनी होंगी।

नित्यानंद का नाम राजशेखर है। इसने खुद को भगवान का दर्जा दे रखा है। ये मूल रूप से तमिलनाडु के थिरुनामलाई का रहने वाला है। नित्यानंद पर रेप, बच्चों के अपहरण समेत कई मामले दर्ज हैं। 2019 में नित्यानंद देश छोड़कर भाग गया और अमेरिकी देश इक्वाडोर के पास एक टापू खरीदकर उसे एक अलग देश घोषित कर दिया।

गौरतलब है कि नित्यानंद के बारे में कहा जाता है कि उसने दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप में त्रिनिदाद और टोबैगो के पास इक्वाडोर के पास एक द्वीप पर अपना नया देश बसा लिया है। उसने इस देश का नाम कैलासा रखा है। नित्यानंद ने इस नए देश की वेबसाइट भी बनाई है। इस वेबसाइट पर दावा किया गया है- कैलासा बिना सीमाओं का देश है जिसे दुनियाभर से बेदखल हिन्दुओं ने बसाया है। वेबसाइट पर कैलासा को महानतम हिंदू राष्ट्र बताया गया है। वह नेपाल के रास्ते इक्वाडोर भागा था। हालांकि, इन रिपोर्ट्स की कोई पुष्टि नहीं हुई है।

नित्यानंद भारत में कई मामलों में वांछित है। उसपर दरज मामलों में दुष्कर्म, बच्चों का अपहरण-दुष्कर्म, शोषण आदि शामिल हैं। साल 2019 में वह देश से भाग गया था। जिसके बाद 2020 में इंटरपोल ने उसके खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया था।

भारत को आपस में जोड़ता है 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 05 मार्च। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत ओडिशा के युवा संगम प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को सिक्किम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। सिक्किम भ्रमण पर आए ओडिशा के 31 युवा एवं 5 समन्वयक 2 से 7 मार्च, 2023 तक सिक्किम के विभिन्न स्थानों के दौरे पर हैं। सिक्किम के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम (एनआईटी सिक्किम) को इस कार्यक्रम का समन्वय करने के लिए नोडल संस्थान रूप में चुना गया है।

कार्यक्रम के आरंभ में, एनआईटी सिक्किम के निदेशक महेश कुमार गोविल एवं निदेशक एनआईटी, राउरकेला, डॉ सुवर्ण और डॉ बालाजी ने राज्यपाल का सम्मान करते हुए बहुमूल्य समय देने के लिए आभार प्रकट किया। इस दौरान ओडिशा के दो सदस्यों द्वारा अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए सिक्किम के परंपरागत शानदार आतिथ्य सत्कार पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए अपने अनुभवों को साझा किया।

राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि प्रगतिशील भारत की गौरवशाली विविध संस्कृति, परंपरा, इतिहास, भेष, भूषा, भाषा, भ्रमण और भोजन से जोड़ता 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र के युवाओं और शेष भारत के मध्य घनिष्ठ संबंध के बीच का सेतु का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विविध भाषा, धर्म, संस्कृति, रीति-रिवाजों की जानकारी आपसी समझ और संबंधों में प्रगाढ़ता का संचार करती है, जिससे हमारे राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूती प्राप्त होती है।

उन्होंने कहा कि संस्कृति सदा हमें जोड़ने का कार्य करती है। युवाओं के इस संगम से देश में अवश्य ही नवाचार, जागृति तथा जागरुकता उत्पन्न होगी और भारतवासियों को आपस में जोड़कर एकता, शांति और सद्भाव को बढ़ावा मिलेगा। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' परंपरा, पर्यटन, प्रौद्योगिकी, प्रगति एवं परस्पर सम्बन्ध को मजबूती प्रदान करने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

दो करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार से जोड़ेंगे : सीएम योगी

लखनऊ, 05 मार्च (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीन-चार साल में करीब दो करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार से जोड़ा जाएगा। इसकी शुरुआत हो गई है। इसके लिए पूरी टीम लगी हुई है। वह रविवार को कॉल्विन तालुकेदार कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय लखनऊ कौशल महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सीएम अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग शुरू की है। इससे प्रदेश के साढ़े सात लाख युवाओं को जोड़ेंगे। विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले युवाओं को अप्रेंटिसशिप स्कीम के तहत आधा मानदेय सरकार और आधा मानदेय इंडस्ट्री देगी। इन युवाओं को अनुभव आधारित कार्य और नए प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा। प्रदेश में मिशन रोजगार के तहत एक बड़ा अभियान चल रहा है। उन्होंने कौशल महोत्सव के आयोजन पर खुशी जताते हुए कहा कि राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से यहां 112 कंपनियां आई हैं। यह साबित करता है कि प्रदेश में पर्याप्त क्षमता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन की घोषणा की थी तो लोगों को यह लगता था कि यह मिशन क्या कर पाएगा? लेकिन अब एक नई उड़ान, पहचान और मंच मिला है। प्रदेश सरकार ने छह वर्ष में करीब 16 लाख युवाओं को का कौशल विकास किया है। सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजी के साथ समझौता करके युवाओं का कौशल विकास करने की पहल की है। इससे करीब 35 हजार युवाओं को ऑन जॉब और एप्रेंटिसशिप का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश में आने वाली हर इंडस्ट्री से कहा है कि वे किसी न किसी इंस्टीट्यूशन को अपने साथ जोड़ें। जहां इंडस्ट्री लगाएं वहां के युवाओं के कौशल विकास में अपना योगदान दें। प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप अब उत्तर प्रदेश के युवा पलायन नहीं करेंगे। इस दौरान नीरज सिंह ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मौके पर पूर्व उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, पूर्व मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह, श्रम मंत्री अनिल राजभर, विधायक राजेश्वर सिंह आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश को नया विजन दिया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के जरिए हर गांव को सड़क से जोड़ा गया। इसका नतीजा रहा कि किसान अपनी उपज को बाजार तक पहुंचा पाए और कोविड काल में भी कृषि ने अर्थव्यवस्था संभाला। सरकार नई तकनीकी और बीज के साथ किसान आधारित अन्य उत्पाद को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर अब्दुल कलाम देश को विजन 2020 देने की बात करते थे। उस वक्त कठिन लग रहा था, लेकिन देश वर्ष 2022 में अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा था, तब दुनिया के सर्वाधिक संसाधनों, व्यवसाय, जीडीपी और सर्वाधिक पेटेंट वाले जी20 के देशों की अध्यक्षता भारत कर रहा है। यह भारत के सामर्थ्य और शक्ति का प्रदर्शन है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1965 में 17 वर्ष के युवक ने पहली बार कंप्यूटर का प्रदर्शन करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑर्गेनिक इंटेलिजेंस की चर्चा की थी तो लोगों के मन में सवाल था कि क्या यह संभव है, लेकिन अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर विश्वविद्यालयों में नवाचार हो रहे हैं। हमारा युवा सोचता है तो विकास एक नई ऊंचाई को छूता हुआ दिखाई देता है। अच्छी आधारभूत सुविधाएं और कानून व्यवस्था की वजह से ही अगले तीन से चार वर्ष में उत्तर प्रदेश में एक करोड़ से ज्यादा युवाओं के लिए नौकरी की संभावना यूपी में होने वाले निवेश से बन रही है। उन्होंने कहा कि सरकार एक परिवार एक आई कार्ड शुरू करने जा रही है। परिवार की मैपिंग होने वाली है। ऐसे में एक क्लिक पर यह जाना जा सकेगा कि संबंधित परिवार ने शासन की कौन सी योजना और रोजगार हासिल किया है और किसे नहीं मिला है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:118 DrawDate on:05/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 80J 86375
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 86375 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
19077 29198 46275 55830 61744 62685 64730 83796 85758 92730
3rd Prize ₹450/-
1601 3014 3023 4265 6096 7832 8242 8373 9121 9293
4th Prize ₹250/-
1492 4059 4517 5829 6063 7148 7778 8725 8957 9089
5th Prize ₹120/-
0160 0173 0294 0404 0412 0566 0597 0672 0673 0946
1016 1044 1097 1229 1289 1524 1534 1709 1844 2195
2226 2238 2264 2417 2515 2618 2658 2766 2875 3258
3304 3463 3544 3701 3740 3786 3854 3895 3920 3922
4041 4259 4495 4798 4853 4973 5128 5254 5303 5389
5398 5445 5496 5498 5534 5565 5646 5681 5691 5900
5912 5935 5956 5957 6296 6667 6674 6681 6736 6803
6806 6877 7024 7060 7219 7272 7289 7309 7478 7587
7611 7675 7961 7976 8121 8161 8278 8312 8641 8748
8832 9066 9084 9104 9223 9228 9539 9707 9751 9956
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:118 DrawDate on:05/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 85G 19804
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 19804 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
17503 32916 44283 50395 52788 59115 76483 77044 84116 89628
3rd Prize ₹450/-
0535 1030 4669 4785 5046 7164 8523 8947 9126 9541
4th Prize ₹250/-
1310 2483 3471 4470 4838 5478 6444 7061 9119 9238
5th Prize ₹120/-
0027 0109 0335 0376 0485 0540 0550 0585 0607 0678
0865 0884 0911 1040 1277 1435 1616 1659 1863 1889
1913 1946 2043 2112 2113 2179 2390 2440 2486 2507
2580 2640 2856 3082 3231 3527 4212 4321 4807 4841
4934 4972 5045 5097 5136 5176 5427 5484 5660 5700
5726 5820 6013 6104 6169 6322 6465 6545 6676 6686
6709 6739 6759 6838 6857 7150 7184 7238 7277 7323
7346 7442 7443 7560 7575 7676 7738 7771 7777 7870
7876 8050 8190 8340 8391 8569 8577 8615 8707 8770
8917 8957 9140 9231 9302 9380 9616 9642 9673 9802
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:218 DrawDate on:05/03/23
1st Prize ₹1 Crore/- 98J 90576
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 90576 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
07176 15028 45226 47157 75709 81876 89970 92003 93025 93201
3rd Prize ₹450/-
0487 1127 1728 1845 3054 3330 3941 5847 5873 7286
4th Prize ₹250/-
1080 2008 2060 2282 3175 3893 7125 7350 7839 8207
5th Prize ₹120/-
0004 0012 0037 0054 0190 0354 0442 0541 0604 0634
0643 0647 0685 0809 1132 1152 1153 1278 1355 1545
1674 1698 1840 1873 1902 1907 1934 2012 2263 2359
2377 2488 2508 2571 2573 2661 2669 2718 2832 3100
3195 3236 3296 3392 3440 3515 3547 3559 3612 3945
4162 4324 4378 4436 4577 4660 5082 5428 5578 5627
5687 5701 6036 6280 6408 6444 6449 6456 6496 6654
6812 7068 7085 7203 7246 7252 7326 7361 7527 7552
7556 7559 7777 7816 8260 8436 8456 8637 8655 8894
8967 9008 9181 9319 9335 9391 9675 9678 9931 9993
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

बीजेपी की खुशी

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों- त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय- के विधानसभा चुनावों के नतीजे कुल मिलाकर बीजेपी के लिए संतुष्टि और विपक्ष के लिए निराशा का ही सबब बनते दिख रहे हैं। तीन में से दो राज्यों, नगालैंड और त्रिपुरा में उसे सफलता मिली। मेघालय में, जैसा कि एग्जिट पोल में भी कहा गया था, किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। पूर्वोत्तर के इस जनादेश की अलग-अलग तरह से व्याख्या की जा सकती है, लेकिन एक तथ्य जिस पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, वह यह है कि बतौर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन राज्यों को जितनी तवज्जो दी, उतनी शायद ही किसी और पीएम ने दी हो। न सिर्फ डिवेलपमेंट प्रॉजेक्ट्स पर ध्यान दिया गया बल्कि नॉर्थ-ईस्ट केंद्र सरकार की प्राथमिकता में है, इसका हर संभव तरीके से एहसास कराया गया। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों का राष्ट्रीय राजनीति पर वैसे तो कोई खास असर नहीं होना है, लेकिन त्रिपुरा पर जरूर सबकी नजरें लगी हुई थीं। पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने वहां ढाई दशक से लगातार सत्ता पर काबिज लेफ्ट फ्रंट को पराजित कर सरकार बनाई थी। इस बार जहां विपक्ष अपने इस खोए हुए दुर्ग पर वापस कब्जा करना चाहता था, वहीं बीजेपी के लिए चुनौती थी कि वह अपनी जीत को टिकाऊ साबित करे।

लेफ्ट फ्रंट और कांग्रेस ने गठबंधन कर बीजेपी को सत्ता से बाहर करने का साझा संकल्प जाहिर किया तो वृहत टिपरालैंड की मांग को लेकर गठित हुए क्षेत्रीय दल टिपरा मोथा ने लड़ाई को तिकोना बना दिया था। लेकिन चुनावों को लेकर बीजेपी किस कदर चुस्त चौकन्नी रहती है और कैसे विपक्ष इस मोर्चे पर उसके आसपास भी नहीं ठहरता, यह बात त्रिपुरा में मतगणना के दिन एक बार फिर साफ हो गई। शुरुआती रुझानों में प्रचंड बहुमत हासिल करती दिखने के बाद जब बीजेपी की सीट संख्या नीचे खिसकती हुई 24 तक पहुंच गई, तब ऐसा लगने लगा कि करीब 15 सीटों के साथ टिपरा मोथा किंगमेकर की भूमिका में आ जाएगी। यानी यह पार्टी चाहे तो लेफ्ट-कांग्रेस की भी सरकार बनवा सकती है। तत्काल बीजेपी के लोग सक्रिय हो गए और बातचीत के बाद टिपरा मोथा को आश्वस्त किया गया कि ग्रेटर टिपरा राज्य के अलावा उसकी सारी मांगें बीजेपी को मंजूर हैं। उसके बाद यह खबर आई कि अंतिम रिजल्ट में बीजेपी को बहुमत मिल जाता है तो भी वह टिपरा मोथा के साथ मिलकर ही सरकार बनाएगी। इस दौरान विपक्ष की ओर से ऐसी कोई पहल नहीं नजर आई। हालांकि विधानसभा चुनावों के लिहाज से यह पूरा साल खासा अहम है। छह और राज्यों के विधानसभा चुनाव इसी साल होने हैं। इनमें कर्नाटक के साथ ही छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य हैं। जाहिर है, वहां चुनौतियां भी अलग होंगी। लेकिन विपक्ष नहीं संभला तो हाथ आए मौकों के बावजूद कामयाबी पाने की उम्मीद नहीं कर सकता।

प्रकृति का अनिवार्य नियम है भूकंप, लेकिन मानव जनित है जन-हानि

वीर सिंह

लगभग एक महीने पहले तुर्की और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप में करीब 52,000 लोग मारे गए। सिर्फ तुर्की में ही भूकंप ने करीब 45,000 लोगों की जान ली है। भूकंप की न तो यह पहली घटना थी, न ही आखिरी होगी। जीवित ग्रह पर सदैव भूकंप आते रहे हैं। भौगोलिक दृष्टि से भूकंप का महत्व यह है कि इससे पृथ्वी तनाव-मुक्त होती है। लेकिन कई बार इससे जान-माल की भीषण हानि होती है, जैसे कि तुर्की और सीरिया में हुई है। बड़ा भूकंप विनाश का ऐसा दृश्य छोड़ जाता है, जिसकी भयावहता वर्षों तक स्मृतियों से नहीं मिटती।

पृथ्वी की चट्टानों के माध्यम से भूकंपीय तरंगों के पारित होने के कारण जमीन का अचानक हिलना ही भूकंप है। भूकंपीय तरंगें तब पैदा होती हैं, जब पृथ्वी के भीतरी केंद्र में संग्रहित ऊर्जा को अचानक छोड़ दिया जाता है। हमारी पृथ्वी दिन-प्रतिदिन भूकंपों से तरंगित रहती है और स्वयं को उसके अंदर बनते तनावों से मुक्त करती रहती है, जो कि एक जीवित ग्रह की स्वाभाविक प्रकृति है। रिक्टर स्केल पर 1.0 से 2.9 तीव्रता के लगभग 1,00,000 छोटे भूकंप प्रतिवर्ष आते हैं, जिन्हें स्थानीय उपकरणों से मापा तो जा सकता है, पर उन्हें अनुभव नहीं किया जा सकता। रिक्टर पैमाने पर 3.0 से 3.9 तीव्रता के 12,000 से 10,0,000 भूकंप प्रतिवर्ष आते हैं, जिन्हें कुछ लोगों द्वारा अनुभव किया जा सकता है, लेकिन उनसे कोई हानि नहीं होती। 4.0 से 4.9 की तीव्रता के भूकंपों की सालाना संख्या 2,000 से 12,000 होती है, जिन्हें अनुभव किया जाता है, और जिनसे थोड़ा-बहुत नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

रिक्टर स्केल पर 5.0 से 5.9 भूकंपों की वार्षिक संख्या 200 से 2,000 है, जिनसे कुछ नुकसान हो सकता है। रिक्टर स्केल पर 6.0 से 6.9 तीव्रता के भूकंप को बड़ा भूकंप माना जाता है और एक वर्ष में ऐसे 20 से 200 भूकंपों से धरती दहलती है और भारी हानि का सामना करना पड़ता है। तीन से पांच भूकंप 7.0 से 7.9 तीव्रता के हर वर्ष पृथ्वी पर झेलने होते हैं, जो जान-माल की बहुत हानि कर जाते हैं। और रिक्टर स्केल पर आठ से अधिक का भूकंप, जिसकी संख्या प्रतिवर्ष तीन से कम रहती है, सब कुछ ध्वस्त कर देता है।

वैसे तो भूकंप पृथ्वी पर कहीं भी आ सकते हैं, लेकिन मुख्य रूप से ये फॉल्ट लाइन्स (पृथ्वी के गर्भ की चट्टानों में ख्रलानर या घुमावदार फ्रैक्चर) के साथ होते हैं, जहां संपीडन या तन्य बल चट्टानों को फ्रैक्चर के विपरीत दिशा में ले जाते हैं। ऐसे फॉल्ट्स कुछ सेंटीमीटर से लेकर कई सौ किलोमीटर तक फैले होते हैं। इसके अलावा, दुनिया के अधिकांश भूकंप 'रिंग ऑफ फायर' के भीतर आते हैं, जो कि भूकंप के अधिकेंद्रों, ज्वालामुखियों, और टेक्टॉनिक प्लेट सीमाओं की घोड़े के नाल के आकार की लंबी बेल्ट है, जो प्रशांत बेसिन को घेरती है।

दुनिया के सबसे महत्त्वपूर्ण भूकंप बेल्ट सर्कम-पैसिफिक बेल्ट है, जो प्रशांत महासागर के आसपास के कई आबादी वाले तटीय क्षेत्रों को प्रभावित करती है, जैसे, न्यूजीलैंड, न्यू गिनी, जापान, अलेउतियन द्वीप समूह, अलास्का तथा उत्तर अमेरिका के उत्तरी व दक्षिणी तट। अनुमानतः वर्तमान में भूकंपों में जारी ऊर्जा का 80 प्रतिशत पृथ्वी के उन क्षेत्रों से मुक्त होता है, जिनके अधिकेंद्र (एपीसेंटर) इस बेल्ट में हैं।

एक दूसरी भूकंप-सक्रिय बेल्ट-जिसे एल्पाइड बेल्ट के रूप में जाना जाता है-एशिया के माध्यम से भूमध्यसागरीय क्षेत्र से पूर्व की ओर गुजरती हुई वेस्ट इंडीज में सर्कम-पैसिफिक बेल्ट से मिल जाती है। इस बेल्ट से भूकंपों में जारी ऊर्जा दुनिया की कुल ऊर्जा का लगभग 15 प्रतिशत है। आर्कटिक महासागर, अटलांटिक महासागर, पश्चिमी हिंद महासागर तथा पूर्वी अफ्रीका की दरार घाटियों के साथ भूकंप गतिविधि से जुड़े बेल्ट भी हैं। भूकंप ज्वालामुखी के फटने से, जलाशय-प्रेरण से और मानव गतिविधियों से धरती के गर्भ से अत्यधिक मात्रा में जीवाश्म पदार्थों के दोहन से भी आ सकते हैं।

भूकंप के माध्यम से भूमि इतनी प्रचंड मात्रा में ऊर्जा से अवमुक्त न हो, तो हमारे ग्रह का क्या हाल होगा! पृथ्वी के गर्भ में उसकी धारण-क्षमता से अधिक ऊर्जा एकत्र होती रहे और उसको भूकंपों के माध्यम से उत्सर्जित करने का रास्ता न मिले, तो कालांतर में किसी एक भूकंप से ही भूखंड दूर-दूर तक छिटक सकते हैं। इसलिए पृथ्वी का ऊर्जा बजट संतुलित रखने, उसे निरंतर उत्पन्न आंतरिक तनावों से मुक्त रखने, अक्षुण्ण और जीवन-दायिनी बनाए रखने के लिए भूकंप जरूरी हैं।

कंप प्रकृति का नियम है। एक प्राकृतिक त्रासदी मानकर अब तक हुई लाखों लोगों की मौत का दोष भूकंप पर मढ़कर कुछ समय बाद भुला दिया जाता है, अगली भूकंपीय घटना में और लोगों की बलि देने के लिए। भूकंप प्राकृतिक है, लेकिन भूकंप से होने वाली मौतें मानव द्वारा प्रबंधित हैं। लोग भूकंप से नहीं मरते, अपनी आवास टेक्नोलॉजी से मरते हैं। वे अपने घरों की अपनी छतों से दबकर मरते हैं। भूकंप के समय अगर सबसे अधिक खतरा कहीं है, तो वह अपने घर में है। भूकंप के समय मैदान में होने पर उसका अनुभव भी नहीं होगा। वे तो हमारे पारंपरिक निर्माण-तकनीक से बने घर हैं जो एक अवश्यंभावी ग्रह-अनुकूल प्राकृतिक प्रक्रिया को एक आपदा में बदल देते हैं। संयोग से अब बेहतर निर्माण टेक्नोलॉजी का आविष्कार हो चुका है और कई देशों ने इसे अपनाकर अपने नागरिकों के लिए सुरक्षित आवास-व्यवस्था प्रदान की है।

दर्ज नहीं हैं जिनकी कहानियां

अश्विनी शर्मा

आगामी आठ मार्च को हम विश्व महिला दिवस मनाएंगे। किसी फिल्मी कलाकार या खेल हस्ती को ब्रांड एंबेसडर बनाएंगे। किसी को स्वच्छता का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करेंगे। राज्य सरकारें भी ऐसी फिल्मी हस्तियों को ब्रांड एंबेसडर चुनेंगीं, जिनसे चुनावों में वोट बैंक के रूप में ट्विटर के जरिये प्रचार प्रसार करवा सकें।

दूसरी ओर हिंदुस्तान में ऐसी करोड़ों अदृश्य महिलाएं रहती हैं, जिनको नारीवाद की छद्म बहस से कोई फर्क नहीं पड़ता। वे अपने रोजमर्रा के जीवन को उसी उम्मीद, हौसले और विश्वास के साथ जीती हैं। कोई सरकार उनकी सुने या न सुने। उनको सम्मान दे या न दे। उनके कार्यों को महत्व दे या न दें। उनके मेले- महोत्सवों को अधिकारी लोग अपने जीजा-साले की इवेंट कंपनी को दे दें। या फिर बड़ी सर्कस कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए उनके करतबों पर रोक लगा दें, या जंगल के अधिनियमों से बांध देने पर भी वे बगैर किसी अपेक्षा के साथ सहज रूप से जीती रहेंगी।

इन अदृश्य महिलाओं के बहुत से रूप हैं। नायक भोपा घुमंतू समुदाय है। जो फड़ बाचने का काम करते हैं। फड़ एक कपड़े का थान होता है, जिस पर बहुत से चित्र बने होते हैं। ये चित्र किसी जीवन गाथा से जुड़े रहते हैं। इन कथाओं में लोक देवता पाबूजी, रामदेव जी और देवनारायण के जीवन के किस्से होते हैं।

भोपा -भोपी उन चित्रों को देखकर अपने लोक वाद्य 'रावण हत्थे' की मधुर धुन पर कथा गाकर सुनाते हैं। नाचते हैं। जिसे हम आजकल स्टोरी टेलिंग कहते हैं, वह काम तो ये लोग सदियों से करते आ रहे हैं। अनपढ़ भोपी महिला एक रात में औसतन 12 से 14 हजार शब्द गाती है। भोपे को उन शब्दों को एक बार गाना पड़ता है, जबकि भोपी को हर शब्द को दो बार गाना होता है। जिससे गीत में लय बनी रही उसको सुनने वालों को मिठास का अहसास हो।

ग्रामीण महिलाओं का चलता-फिरता ब्यूटी पार्लर गवारिया घुमंतू समुदाय की महिलाएं सिर पर टोकरा रखकर सुबह पहले बगैर कुछ खाए फेरी पर निकल लेती हैं। उनके टोकरे में महिलाओं से जुड़ा समान रहता है। टिकली, बिंदी से लेकर कड़े, चूड़े- चूड़ियां, मालाएं व महिलाओं के अंडर गारमेंट्स। उनके टोकरे का वजन 20 से 30 किलो के बीच रहता है, जिसे वह अपने सिर पर उठाकर दिन भर घूमती है। वे केवल सामान ही नहीं देतीं, बल्कि यह भी बताती हैं कि शहर में महिलाएं कैसे रहती हैं, गांवों की महिलाएं बड़े चाव से सुनती हैं, क्योंकि उनके लिए अभी दूर की बात है।

नट डफ बजाता है। नटनी रस्सी पर चलती है। तरह- तरह के करतब दिखाती है। न सिर पर कोई पल्लू और न माथे पर घूंघट। बेधड़क और बेखौफ। जबकि इन करतबों को देखने वाली महिलाएं घूंघट में कैद रहती हैं। पीढ़ियों से वे लोग ये काम करते आ रहे हैं। किंतु उन महिलाओं का कहीं जिक्र नहीं होता। भाट समुदाय के लोग जिन कठपुतलियों को नचाते हैं, उनके पेंट करने से लेकर श्रृंगार करने, उनकी वेशभूषा तय करने का कार्य भाट महिला ही करती है। कालबेलिया समुदाय की महिलाओं को महज काले व लाल रंग की ड्रेस तक सीमित कर देते हैं। ज्यादा होता है, तो बस सजी-धजी नर्तकी के रूप में देखते हैं। उसके रोजमर्रा के जीवन के अन्य पक्षों की कोई बात ही नहीं होती।

कालबेलिया महिला सुबह फेरी पर जाती है। उसके पास विभिन्न प्रकार की जड़ी- बूटियां होती हैं। वह बहुत से नुस्खे जानती है। महिलाओं को दुर्लभ उत्पाद सुरमा देती है। वह अपने संगीत के जरिये मानसिक उपचार का कार्य करती हैं। गांवों में महिलाएं उनसे हालरिया सुनती हैं। फाग सुनती हैं। लूर सुनती हैं। बच्चे के बधावे सुनती हैं। ऐसी मान्यता है, जोगण जब गीत गाएगी तो बच्चे की उम्र बढ़ जाएगी।

गाड़िया लुहार समुदाय की महिला की जिम्मेदारी घण कूटने की रहती है। अनुभवी लुहार लोहे को गढ़ने का काम करता है। वे दिन भर लोहा पीटती हैं और सुबह-सुबह नजदीक गांव व ढाणी में फेरी पर जाने का काम भी उन्हीं महिलाओं का रहता है। उसका कहीं कोई योगदान शामिल नहीं होता। पशुचारक घुमंतू समुदाय की महिलाओं खासकर रायका- रैबारी समुदाय की महिलाओं के कार्य की गिनती कहीं नहीं है। गर्भवती हो या बूढ़ी हो। जवान हो या बच्ची। वर्ष के आठ से नौ महीने पशुओं के साथ घूमते हुए ही बिताने हैं।

हम पहले तो यूरोप का अनुसरण करते हैं। उनके विचार, परंपराओं, भाषा, पहनावे की नकल करते हैं। जब उसमें दिक्कत आती है, तो फिर उन्हीं के चश्मे से नारीवादी बहस का हम चोला ओढ़ते हैं। ये छद्म बहस है। ये महिलाएं इस नारीवादी बहस के किसी चरण में शामिल नहीं हैं और होना भी नहीं चाहतीं। उनके यहां समानता, स्वतंत्रता, न्याय शब्द नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की अनिवार्यता है। जहां स्त्री पुरुष के कार्यों में भेद नहीं हैं। हमें समय रहते कोशिश करनी चाहिए, ताकि हमारे यहां मौजूद 1,200 से ज्यादा अदृश्य घुमंतू समुदायों की महिलाओं के कार्यों पर चर्चा हो। उनकी जीवन दृष्टि को समझने का प्रयास करें और उनसे प्रेरणा लेकर बकाया समुदायों को भी एक भरोसा मिल सके।

इकॉनमी की मुश्किलें

मौजूदा वित्तीय वर्ष 2022-23 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) में जीडीपी ग्रोथ के आंकड़ों का कम होना चिंताजनक न सही, विचारणीय तो है ही। इस तिमाही में ग्रोथ 4.4 फीसदी रही, जबकि दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर की अवधि में जीडीपी में 6.3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी और पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 13.5 फीसदी की। तीसरी तिमाही में इसमें कुछ कमी का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन विशेषज्ञों में लगभग सर्वसम्मति थी कि गिरकर भी यह 4.7 फीसदी तक रहेगी। तीसरी तिमाही के आंकड़े कम रहने का सीधा मतलब पहली नजर में यही है कि पूरे वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी बढ़ोतरी के जो अनुमान बताए गए थे, उनका पूरा होना मुश्किल हो जाएगा। हालांकि सालाना 7 फीसदी बढ़ोतरी के इस अनुमान में अभी कोई संशोधन नहीं किया गया है। लेकिन अगर इसे पूरा किया जाना है तो वित्त वर्ष की चौथी यानी आखिरी तिमाही (जनवरी-मार्च 2023) के दौरान अर्थव्यवस्था को कम से कम 5.1 फीसदी की दर से बढ़ना होगा। मौजूदा हालात में यह लक्ष्य खासा चुनौतीपूर्ण लगता है। जीडीपी की रफ्तार में लगातार दो तिमाहियों की यह कमी ऐसे समय आई है, जब ग्लोबल स्लोडाउन और मंदी की आशंकाओं के बीच भारत को एक ब्राइट स्पॉट यानी चमकदार बिंदु के रूप में रेखांकित किया जा रहा है।

इस धीमी रफ्तार की बड़ी वजह महंगाई काबू करने के लिए ब्याज दरों में लगातार की गई बढ़ोतरी को माना जा रहा है। मौजूदा वैश्विक और राष्ट्रीय परिदृश्य में इस नीति के तत्काल पलटने के आसार भी नहीं दिख रहे क्योंकि महंगाई का दबाव अभी भी बना हुआ है। दूसरी बात यह कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का सिकुड़ना जारी है। इस तिमाही में इस सेक्टर की बढ़ोतरी साल-दर-साल आधार पर 1.1 फीसदी दर्ज की गई, जो कंज्यूमर डिमांड की कमजोरी दर्शाती है। एक अच्छी बात यह है कि कृषि क्षेत्र की ग्रोथ अच्छी बनी हुई है। तीसरी तिमाही में यह 3.7 फीसदी दर्ज की गई, जबकि पूरे वित्त वर्ष के लिए यह अनुमान 3.3 फीसदी का है। मगर यहां ध्यान रखना जरूरी है कि यह अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि रबी की फसल जबर्दस्त होगी, यानी तापमान बढ़ने जैसे किसी कारक का प्रतिकूल प्रभाव नहीं होगा। यह धारणा कितनी सही है, इसका पता तभी चलेगा जब फसल कटने का वक्त आएगा। देखा जाए तो महामारी के बाद से ही अर्थव्यवस्था में निवेश का काम मुख्यतया सरकार की ही ओर से हो रहा है, लेकिन जब तक निजी क्षेत्र की ओर से इसमें बढ़ोतरी नहीं होती, तब तक ग्रोथ में मजबूती नहीं आएगी। यह तभी होगा, जब कंस्यूमर डिमांड में रिकवरी हो। सबसे बड़ी बात यह कि मौजूदा हालात में ब्याज दरों में कमी की कोई उम्मीद भी कम से कम फिलहाल नहीं की जा सकती। इसी वजह से वित्त वर्ष 2024 में ग्रोथ 2023 के मुकाबले कम रहने का अनुमान लगाया जा रहा है।

ट्रांसजेंडर बच्चों के लिए शिक्षा चुनौतीपूर्ण

कुमार सिद्धार्थ

स्कूली स्तर पर ट्रांसजेंडर बच्चों के अनुकूल माहौल बनाने और उन्हें समावेशी शिक्षा से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही एक नया अभियान शुरू करने की तैयारी में है। इससे आम बच्चों की तरह ट्रांसजेंडर बच्चों का भी स्कूल जाने का सपना पूरा हो सकेगा। इन्हें भी शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत पढ़ने का अधिकार है। वैसे ट्रांसजेंडरों को रोजगार और पढ़ाई में अवसर दिए जा रहे हैं, पर अब स्कूली शिक्षा में इन्हें शामिल करने और इनमें समानता का भाव विकसित करने की कोशिशें तेज हो रही हैं। एनसीईआरटी द्वारा ट्रांसजेंडर बच्चों की स्कूल में पढ़ाई और स्कूल स्टाफ का इन बच्चों के प्रति रवैये को बदलने, निष्पक्षता और सुधार करने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं।

एक अध्ययन के मुताबिक, अभी देश में ट्रांसजेंडरों की संख्या करीब पांच लाख है। इनमें से करीब एक लाख ट्रांसजेंडर 12 से 16 साल की उम्र के बीच हैं, जो स्कूलों में पढ़ाई कर सकते हैं। पर इनमें से गिनती के ही बच्चों को शिक्षा मिल पा रही है। राष्ट्रीय साक्षरता दर 74 फीसदी है, पर ट्रांसजेडर समुदाय में साक्षरता दर मात्र 46 फीसदी ही है।

केरल डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा दिल्ली और उत्तर प्रदेश में किए गए अध्ययन से पता चलता है कि 28 प्रतिशत ट्रांसजेंडर छात्रों को स्कूलों में उत्पीड़न झेलना पड़ा। 52 प्रतिशत छात्रों को उनके सहपाठियों ने परेशान किया। यही नहीं, 12 प्रतिशत छात्रों ने कहा कि अध्यापकों ने उनका उत्पीड़न किया। 13 प्रतिशत छात्रों ने यौन उत्पीड़न की शिकायत की। 62 प्रतिशत ने माना कि उनका मौखिक उत्पीड़न हुआ है। इन्हीं वजहों से ट्रांसजेंडर बच्चे स्कूलों से बाहर हैं। वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए देश में ट्रांसजेंडर को थर्ड जेंडर यानी तीसरे लिंग की मान्यता दी थी। उस फैसले के बाद अब हर जगह पुरुष और महिला के साथ तीसरे जेंडर का कॉलम भी होता है।

एनसीईआरटी ने जो नए दिशा-निर्देश तैयार किए हैं, उनमें ट्रांसजेंडर समावेशी पाठ्यक्रम, उनके लिए सुरक्षित शौचालय सुविधाएं तथा लैंगिकता आधारित हिंसा को रोकने के उपायों को शामिल किया गया है। एनसीईआरटी के प्रारूप में जेंडर न्यूट्रल व्यवस्था लागू करने का सुझाव है। ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति आम लोगों की सोच बदलने और उन्हें जागरूक करने के लिए इसे तैयार किया गया है। नया प्रारूप ट्रांसजेंडर छात्रों के संघर्ष को उजागर करता है और सतत कार्यशालाएं, आउटरीच प्रोग्राम, जेंडर न्यूट्रल पोशाक जैसे सुझावों पर जोर देता है। हालांकि इस नए प्रारूप में जाति और पितृसत्ता के मुद्दे पर चुख्रपी बरकरार है।

बेशक देश में ट्रांसजेंडर बच्चों के लिए शिक्षा चुनौतीपूर्ण है, लेकिन उनकी शिक्षा के सार्थक प्रयास भी हो रहे हैं। कोच्चि में सहज इंटरनेशनल स्कूल की शुरुआत की गई है। यह पहल ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए उम्मीद की रोशनी जैसी है। इस वैकल्पिक लर्निंग सेंटर की शुरुआत नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन लर्निंग के सहयोग से की गई है। यहां बीच में पढ़ाई छोड़ देने वाले ट्रांसजेंडर अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं और दसवीं-बारहवीं की परीक्षा दे सकते हैं। वहीं तमिलनाडु की मनोनमनियम सुंदरनार यूनिवर्सिटी में अगर कोई ट्रांसजेंडर छात्र पढ़ाई के लिए पंजीकरण कराता है, तो उससे ट्यूशन फीस नहीं ली जाती है।

ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) बिल, 2019 उनके शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े हितों के बारे में बात जरूर करता है, लेकिन मात्र कुछ गिने-चुने ट्रांसजेंडरों ने संघर्ष कर शिक्षा, नौकरी या रोजगार हासिल किया है, जो अपवाद मात्र हैं। अब भी शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल के अभाव में ट्रांसजेंडरों को समाज में किसी तरह का काम मिल पाना मुश्किल है। देखना होगा कि आने वाले समय में स्कूली शिक्षा के समावेशन से किस तरह समाज की नकारात्मक मानसिकता और दृष्टिकोण में परिवर्तन लाया जा सकेगा।

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती हैं और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगलियों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत: धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं।

राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के श्रृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होलिका दहन और धुलैंडी का पर्व कब है, 6, 7 या 8 मार्च को?

होलिका दहन को लेकर कंफ्यूजन है, 6 को, 7 को या 8 मार्च को? होली के बाद कब रहेगी धुलेंडी। ज्योतिष मान्यता के अनुसार कब होना चाहिए होलिका दहन और कब मनाएं धुलैंडी का पर्व? इसके बाद रंगपंचमी का त्योहार कब रहेगा।

कब जलाते हैं होली : पूर्णिमा के दिन प्रदोष काल में होलिका दहन किया जाता है और उसके दूसरे दिन धुलेंडी का पर्व मनाया जाता है।

पूर्णिमा तिथि : पूर्णिमा तिथि 06 मार्च दिन सोमवार को शाम 04:17 पर आरंभ होगी और इस तिथि का समापन 07 मार्च दिन मंगलवार को शाम 06:09 पर होगा।

6 मार्च : 06 मार्च को प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि है लेकिन 7 को पूर्णिमा तिथि में प्रदोष काल नहीं रहेगा। कई जगहों पर पंचांग भेद के कारण 06 मार्च को होलिका दहन होगा, क्योंकि इसी दिन प्रदोष काल में पूर्णिमा तिथि रहेगी।

7 मार्च : 06 मार्च को पूर्णिमा तिथि के प्रारंभ होने के साथ ही भद्रा भी शुरु हो जाएगी जो 07 मार्च सुबह 05:15 तक रहेगी। कुछ लोग भद्रा में होलिका दहन नहीं करना चाहते हैं। अन्य मतानुसार पूर्णिमा तिथि दो दिन प्रदोष व्यापिनी हो तो दूसरे दिन दहन किया जाता है। यानी 07 मार्च को शाम को या रात्रि में होलिका दहन होगा।

धुलैंडी : धुलैंडी का पर्व अगले दिन मनाया जाएगा। अधिकतर मतानुसार 07 मार्च को होलिका दहन होगा और 08 मार्च को होली खेली जाएगी। यानी धुलैंडी मनाई जाएगी।

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शीशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गौरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द हुई एसओएल की परीक्षा के संबंध में एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने मुक्त शिक्षा विद्यालय (एसओएल) के प्रशासन को बिना किसी पूर्व सूचना के रद्द की गई परीक्षा के संबंध में रविवार को ज्ञापन सौंपा तथा नियमित रूप से बिना किसी बाधा के परीक्षा को आयोजित कराने की मांग की। उल्लेखनीय है कि स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के बी.ए. और बी.कॉम की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा पूर्व निर्धारित तिथि के अनुसार होने वाली थी लेकिन उसी दिन सुबह बिना किसी पूर्व सूचना के परीक्षा को रद्द कर दिया गया। जिसके कारण छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस मुद्दे को लेकर एबीवीपी के प्रतिनिधिमंडल ने डूसू की संयुक्त सचिव शिवांगी खरवाल के साथ प्रशासन, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय को छात्रों के हित में इस मुद्दे को हल करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। एसओएल प्रशासन ने गलती मानते हुए आश्वासन दिया की जल्द से जल्द परीक्षा की पुनः घोषणा की जायेगी।

गाजियाबाद में गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करके वाहन में न डालने वालों पर कार्रवाई शुरू, 2 लोगों पर लगा जुर्माना

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम ने गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करके वाहन में न डालने वालों पर सख्ती शुरू कर दी है। नगरायुक्त डा.नितिन गौड़ की देखरेख में राजनगर क्षेत्र से ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाने वाले दस्तक अभियान की शुरूआत की गई। पहले दिन दो लोगों पर 200-200 रुपये का जुर्माना लगाते हुए मौके पर ही वसूला गया।पहले दिन नगर निगम क्षेत्र में 250 टीमों ने जुर्माना लगाने का काम शुरू किया लेकिन अधिकांश जगहों पर इसका लोगों ने विरोध किया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथलेश ने बताया कि यह जुर्माना हाउस टैक्स में जुड़कर आएगा। जुर्माना लगाने के साथ लोगों को अलग-अलग कूड़ा डालने को लेकर जागरूक भी किया जा रहा है।

होली पर नहीं होगी पानी की किल्लत

नगर निगम की ओर से होली पर निर्बाध पानी की आपूर्ति का इंतजाम किया है। महाप्रबंधक जलकल आनंद त्रिपाठी ने बताया कि सुबह छह बजे से तीन बजे तक पानी की आपूर्ति जारी रहेगी। इसके अलावा किसी इलाके में बिजली आपूर्ति और नलकूप खराब होने से पानी की आपूर्ति बाधित होती है तो तुरंत पानी का टैंकर भेजा जाएगा। इसके लिए 50 टैंकर रिजर्व रहेंगे। निगम की टीम लगातार क्षेत्र में भ्रमण करती रहेंगी।चाहिए कि आखिर 50 स्कूल बंद क्यों हो गए। एजुकेशन के मामले में दिल्ली आठवें स्थान पर क्यों है।उन्होंने कहा कि आप सरकार के भ्रष्टाचार ने दिल्ली का खजाना पूरी तरह से खाली कर दिया है। हालत यह है कि दिल्ली सरकार कंगाल हो चुकी है। हालत यह हो चुकी है कि कई योजनाएं लागू करने में दिल्ली सरकार फेल हो गई। यहां तक कि फ्री वाईफाई भी बंद कर दिया गया है। मोहल्ला क्लिनिक में डॉक्टर स्टाफ को सैलरी नहीं मिल रही है।

दिल्ली के एलजी ने असिता ईस्ट में की फीसदी20 मीटिंग में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों की मेजबानी

नई दिल्ली। इन दिनों देश में जी 20 की मीटिंग के चलते तमाम देशों के प्रतिनिधि आए हुए हैं। मीटिंग के लिए दिल्ली आए हुए प्रतिनिधियों को

एलजी वीके सक्सेना ने यमुना किनारे बने असिता ईस्ट में मेजबानी की।मीटिंग के लिए अलग-अलग देशों से आए दूतों और अन्य लोगों ने डीडीए द्वारा बनाए इस नदी ईको सिस्टम में टहलने और पक्षियों को देखने पहुंचे थे।

महिला को हिस्ट्रीशीटर जेठ ने मारी गोली, छह महीने पहले जमानत पर आई थी बाहर, नंदू रावण गैंग से जुड़ा था आरोपी

नोएडा। छह महीने पहले एक महिला जमानत पर जब बाहर आकर ससुराल पहुंची तो जेठ ने उस पर गोली चला दी। महिला के पैर में गोली लगी। उसका इलाज सफदरजंग अस्पताल में चल रहा है। गोली चलाने के बाद से आरोपी जेठ मौके से फरार हो गया। यह घटना नोएडा के थाना सेक्टर 142 क्षेत्र के गढ़ी शाहदरा गांव की है। आरोपी जेठ भी नोएडा का संजय राठी हिस्ट्रीशीटर रहा है। उसे पुलिस आयुक्त ने जिला बदर भी कर रखा था लेकिन वो फिर भी नोएडा में ही रह रहा था। एडीसीपी सेंट्रल डॉक्टर राजीव दीक्षित ने बताया कि गढ़ी शहदरा गांव निवासी संजय भाटी अपने भाई अजीत भाटी के घर पहुंचा।

दिल्ली सरकार ने 17 मार्च से बुलाया बजट सत्र

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 17 मार्च को बजट सत्र बुलाया है। पहली बार ऐसा होगा कि केजरीवाल सरकार मनीष सिसोदिया के बिना बजट पेश करेगी। इस बार का बजट दिल्ली सरकार के वित्त मंत्री कैलाश गहलोत पेश करेंगे।

वहीं ऐसा माना जा रहा था कि इस बार मनीष सिसोदिया दिल्ली का बजट पेश करेंगे। लेकिन, आबकारी नीति में कथित घोटोले के आरोपों के बाद सीबीआई ने सिसोदिया को गिरफ्तार कर लिया था, जिसके बाद सिसोदिया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के

नेताओं ने ऐसे संकेत पहले ही दिए थे कि वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ही इस बार का बजट पेश करेंगे। मनीष सिसोदिया के 18 विभागों में से वित्त और लोक निर्माण विभाग सहित आठ विभागों का जिम्मा कैलाश गहलोत को मिला है। कैलाश गहलोत के पास वित्त, प्लानिंग, पीडब्लूडी , पावर, गृह, शहरी विकास, इरिगेशन फ्लड कंट्रोल और जल विभाग भी है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले वित्त मंत्री कैलाश गहलोत ने अधिकारियों के साथ बजट की तैयारियों पर भी चर्चा की थी। बैठक के बाद कैलाश गहलोत ने कहा था कि सभी अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। अरविंद केजरीवाल के कुशल नेतृत्व में हम प्रगतिशील बजट पेश करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने युवक को नंगा करके पीटा, वीडियो बनाकर मांगी रंगदारी, पुलिस ने नोटिस देकर ही थाने से छोड़ा !

नोएडा। एक युवक को कमरे में बंद करके उसके कपड़े उतार कर मारपीट करने और उसकी वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर, उससे पैसे लेने के मामले में दर्ज हुए रंगदारी के मामले में भी पुलिस ने बीजेपी नेता को थाने में बुलाया और केवल नोटिस देकर छोड़ दिया। थाना जेवर क्षेत्र में 8 फरवरी को एक युवक को कमरे में बंद करके उसके कपड़े उतार कर मारपीट करने और उसकी वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर, उससे पैसे लेने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को थाना जेवर पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की है। पुलिस ने उसे धारा 41- ए सीआरपीसी के तहत नोटिस तामिल करवा कर उसे छोड़ दिया है। आरोपी भाजपा नेता बताया जा रहा है। आरोपी को थाने से छोड़ने को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं।पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि 8 फरवरी को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुई। जिसमें कुछ लोग एक युवक को एक कमरे में बंद करके उसके कपड़े उतार कर पीट रहे हैं, तथा उसकी वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए गए।उन्होंने बताया कि इस मामले में पीड़ित चेतन कुमार ने मारपीट करने व रंगदारी मांगने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया था।

'आई लव यू मनीष सिसोदिया' अभियान के खिलाफ उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क थाने में एक मामला दर्ज

नई दिल्ली। 'आई लव यू मनीष सिसोदिया' अभियान के खिलाफ उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क थाने में एक मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि शराब नीति मामले में भ्रष्टाचार के आरोपित पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की महिमा मंडन के लिए एसएमसी संयोजक व स्कूल की प्रिंसिपल ने संसाधनों का गलत इस्तेमाल किया है। स्कूल के गेट पर बड़े-बड़े पोस्टर लगाकर न सिर्फ स्कूल को गंदा किया बल्कि इन लोगों ने अपराधी को बचाने की आपराधिक साजिश रची।

यह सब भ्रष्टाचार के आरोपित की छवि को चमकाने के लिए किया गया। इसमें जबरन स्कूली छात्राओं को भी शामिल किया गया। दिवाकर पांडेय नामक व्यक्ति ने दिल्ली पुलिस आयुक्त से मामले की शिकायत की, जिसके बाद इस संबंध में शास्त्री पार्क थाने में 'दिल्ली प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ पब्लिक प्रॉपर्टी एक्ट-2007' (पब्लिक प्रॉपर्टी को गंदा करने या नुकसान पहुंचाने) का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले में शिकायतकर्ता दिवाकर पांडेय ने अपनी शिकायत में बताया कि पूर्व उपमख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया। फिलहाल वह अभी सीबीआई की कस्टडी में हैं। शुक्रवार को शास्त्री पार्क के सर्वोदय कन्या विद्यालय में मनीष सिसोदिया के समर्थन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल एसएमसी की संयोजक गजाला और स्कूल की प्रिंसिपल गीता रानी ने क्लास रूम से डेस्क निकलवाकर मेन गेट पर रखवा दिए। इसके बाद गेट पर एक बड़ा पोस्टर लगाकर उस पर आई लव यू मनीष सिसोदिया लिखवा दिया गया। चूंकि मनीष सिसोदिया का मामला अभी विचाराधीन हैं, ऐसे में उनके समर्थन में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर सीधे तौर पर संविधान का मजाक उड़ाया गया है। ऐसा कर यह लोग न सिर्फ आम लोगों को भ्रमित कर रहे हैं बल्कि स्कूल की छात्राओं को अपराध बोध से दूर रखने की साजिश रची है। पुलिस आयुक्त कार्यालय ने शिकायत मिलने के बाद इसको उत्तर-पूर्वी जिले में भेज दिया। छानबीन के बाद पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के अलावा फोटो और वीडियो से मामले की जांच कर रही है।

कुतुबमीनार के पास एनकाउंटर में दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा गैंगस्टर कात्या, वीडियो शेयर कर फैलाता था दहशत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की एक टीम ने कल देर रात कुतुबमीनार मेट्रो स्टेशन के पास एक एनकाउंटर के दौरान नीरज उर्फ कात्या नाम के एक वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है। अपराधी के खिलाफ करीब 2 दर्जन मामले दर्ज हैं। वह यूट्यूब पर वीडियो अपलोड कर दशहत फैलाता था। पुलिस के मुताबिक, उसके रात कुतुबमीनार इलाके के पास उसके आने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस ने बताया कि इसके बाद टीम ने जाल बिछाया और रात में उसे पकड़ लिया। हालांकि पुलिस को आसपास देखकर आरोपी ने फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। मुठभेड़ के दौरान किसी को गोली नहीं लगी।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इंस्पेक्टर शिवकुमार के नेतृत्व में स्पेशल सेल एसआर की टीम और एसीपी अत्तर सिंह की निगरानी में इंस्पेक्टर पवन कुमार ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के एक कुख्यात गैंगस्टर नीरज उर्फ कात्या (उम्र 30 साल) पुत्र नारायण सिंह, निवासी गांव दुबलधन (हरियाणा के जिला झज्जर) को गिरफ्तार किया गया है।उसके कब्जे से .30 की एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल के साथ 2 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। आरोपी नीरज दिल्ली में 5 हत्या, 2 हत्या के प्रयास और अन्य जबरन वसूली, डकैती, अपहरण,

चोट, हमला, धमकी, चोरी, शस्त्र अधिनियम आदि सहित 25 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल पाया गया है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

होली और शबे बरात पर शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना बाड़ा हिंदूराव में बैठक

नई दिल्ली। थाना बाड़ा हिंदू राव इंचार्ज गुरनाम सिंह की अध्यक्षता में होली और शबे बरात के मौके पर कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एक मीटिंग रखी गई जिसमें नागरिक सुरक्षा समिति और आरडब्ल्यूए के सदस्यों को विशेष तौर से बुलाया गया था।

इस मौके पर गुरनाम सिंह ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हमने थाने में हिंदू-मुस्लिम एकता पर 7 मार्च को एक होली मिलन का प्रोग्राम रखा है जिसको लेकर आप लोगों से परामर्श करना है। हिंदू और मुस्लिम एकता को मजबूत बनाने के लिए अपने परामर्श दें। सभी सदस्यों ने अपने अपने परामर्श दिए। अंत में यह

तय हुआ कि मुसलमान भाई अपने हिंदू भाइयों का फूलों से स्वागत करेंगे। शबे बरात को लेकर सभी से यह अपील की गई है के मुस्लिम समाज के लोग अपने बच्चो को स्कूटी और बाइक आदि की चाबी नहीं देंगे और अगर कहीं जाना हो तो साइकल का प्रयोग करें। अपनी करीबी मस्जिद में इबादत करेंगे और अपने करीबी कब्रिस्तान में जाकर फातेहा पढ़ेंगे। लगभग दो वर्षों से जबसे गुरनाम सिंह ने थाने का चार्ज संभाला है, इस इलाके में हिंदू-मुस्लिम एकता में काफी मजबूती आई है और वह सद्भावना भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए नए-नए प्रयोग करते रहते हैं। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी हाजी जमील अहमद, वहीद खान वारसी, हाजी नईम अहमद पीर जी, हाजी इमरान अंसारी ,सईद खान, शाहिद खान शम्मी, सैयद शाहिद राहत, हाजी शकील, फारूक अंसारी, मुस्तफा कुरैशी, आमीर, नज़ीर अहमद, मोहम्मद उस्मान आदि मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने राजस्थान के सीएम गहलोत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ दिल्ली की एक अदालत में उनके खिलाफ भ्रामक बयानों को लेकर मानहानि का मामला दायर किया। शेखावत ने दावा किया कि गहलोत ने संजीवनी क्रेडिट सोसाइटी घोटाले के संबंध में उनके खिलाफ मानहानिकारक बयान दिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि मामले में जांच शुरू की गई थी लेकिन उनके नाम का कहीं उल्लेख नहीं किया गया था।शेखावत ने गहलोत के खिलाफ आईपीसी की धाराओं के तहत मुकदमा चलाने की मांग की है। केंद्रीय मंत्री ने अपनी प्रतिष्ठा के नुकसान के लिए उचित वित्तीय मुआवजे की भी मांग की है। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग करते हुए कहा कि गहलोत पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत आपराधिक मानहानि का आरोप लगाया जाना चाहिए।

डीयू के एसओएल ने अचानक रद की परीक्षा, छात्र व अभिभावक रहे परेशान

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के स्कूल आफ ओपन लर्निंग (एसओएल) द्वारा स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा अचानक रद कर दी गई। इससे परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे छात्रों और अभिभावकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं एसओएल द्वारा अगले दिन होने वाली परीक्षा भी रद कर दी गई है। संयुक्त कुलसचिव परीक्षा द्वारा जारी की गई सूचना में कहा गया है कि चार मार्च को सुबह व शाम को होने वाली परीक्षा अपरिहार्य कारणों से रद की जाती है। परीक्षा की अगली तारीख के बारे में सूचित किया जाएगा। इस कारण हुई असुविधा के लिए खेद है।विश्वविद्यालय द्वारा इस तरह सूचना जारी करके अव्यवस्था से पल्ला झाड़ लिया गया, लेकिन सुबह नौ बजे की परीक्षा के लिए दिल्ली भर के परीक्षा केंद्रों पर आठ बजे से ही बच्चे पहुंचने शुरू हो गए थे। परीक्षा केंद्रों पर पहले तो बच्चों को प्रवेश देने के साथ ही प्रश्न पत्र व उत्तर पुस्तिका भी दे दी गई। करीब एक घंटे बाद उन्हें बताया गया कि उनका पेपर रद कर दिया गया है। इसके बाद बच्चे मायूस होकर घर लौटने को मजबूर हुए।उल्लेखनीय है कि एसओएल की पढ़ाई दिल्ली विश्वविद्यालय के 50 कालेजों में होती है। इन सभी 50 कालेजों में ही करीब 50 हजार छात्रों के लिए परीक्षा केंद्र भी बनाए गए थे। पेपर रद होने से इन सभी छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोई छात्र एक घंटे तो कोई दो घंटे की यात्रा करके परीक्षा केंद्र पर पहुंचा था।

स्हरुके निदेशक प्रो. पायल मागो ने कहा- कंप्यूटर में आई तकनीकी खामी के कारण छात्रों के प्रवेश-पत्र पर शाम की जगह सुबह की परीक्षा का समय अंकित हो गया। इसकी वजह से छात्रों को असुविधा हुई है। यह खामी कैसे हुई है इसकी जांच के लिए डीयू के अधिकारियों की देखरेख में समिति गठित कर जांच शुरू कर दी गई है। इसमें जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एक दो दिन में दोनों पेपरों की नई परीक्षा तिथियां तय कर छात्रों को सूचित कर दिया जाएगा।वहीं, बीए की छात्रा विधि ने कहा- मैं रोहिणी में रहती हूं। मेरा परीक्षा केंद्र पूर्वी दिल्ली स्थित शहीद सुखदेव कालेज आफ एजुकेशन था। मेरा बीए कोर्स का बेसिक कांसेप्ट आफ एजुकेशन विषय का पेपर था। मैं सुबह सात बजे अपने पापा के साथ परीक्षा देने के लिए घर से निकली थी। करीब सवा आठ बजे परीक्षा केंद्र पर पहुंच गई थी। सुबह नौ बजे परीक्षा कक्ष में प्रश्न पत्र व उत्तर पुस्तिका दे गई। मैंने पेपर करना भी शुरू कर दिया। करीब एक घंटे बाद पता चला कि पेपर रद हो गया है। इससे बहुत मायूसी हुई। पूरा दिन बेकार चला गया। परीक्षा रद होने से घर वालों को भी परेशानी हुई।

होली के रंग में रंगे दिल्ली के बाजार, 1500 करोड़ के कारोबार का अनुमान

नई दिल्ली। दिल्ली के बाजार होली के रंग में पूरी तरह से रंग चुके हैं। तीन दिन बाद ही होली का त्यौहार है। इसे लेकर बाजारों में खरीदार उमड़े हुए हैं। सदर बाजार, चांदनी चौक, खारी बावली, कनाट प्लेस, करोलबाग, पहाड़गंज, देव नगर, नेहरू बाजार, गोल मार्केट, टैंक रोड, गफ्फार मार्केट व राजेंद्र नगर समेत अन्य बाजारों में पिचकारी, रंग, गुलाल, गुजिया, नमकीन, परिधान, जूते, घरों के सजावटी सामान समेत अन्य त्यौहारी सामानों की बिक्री खूब हो रही है। कोरोना के दो साल बाद होली के पर्व में यह उत्साह देखा जा रहा है। इससे दुकानदारों के चेहरों पर खुशी है।

उसमें भी होली संबंधित उत्पादों में चीन की भागेदारी न के बराबर है। इससे उद्योग में भी रंग खिलाने वाली होली साबित हो रही है। कारोबारी संगठन कंफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस होली में अकेले दिल्ली में ही 1500 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार का अनुमान है। जबकि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक का होगा।

जमकर हो रही सामानों की बिक्री

कैट के मुताबिक पिछले वर्षो की तरह चीनी सामान का न केवल

व्यापारियों ने बल्कि आम लोगों ने भी पूर्ण बहिष्कार किया हुआ है। हर वर्ष होली से जुड़े सामान का चीन से देश में आयात करीब 10 हजार करोड़ का है जो कि इस बार नहीं के बराबर है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि इस बार होली की त्यौहारी बिक्री में चीन का बने हुए सामान का व्यापारियों व ग्राहकों ने बहिष्कार किया और केवल भारत में ही निर्मित हर्बल रंग व गुलाल, पिचकारी, गुब्बारे, चंदन, पूजा सामग्री व परिधान सहित अन्य सामानों की जमकर बिक्री हो रही है।

वहीं मिठाइयां, ड्राई फ्रूट, गिफ्ट आइटम्स, फूल व फल, कपड़े, फर्निशिंग फैब्रिक, किराना, एफएमसीजी उत्पाद, कंज्यूमर ड्युरेबल्स सहित अन्य अनेकों उत्पादों की भी जबरदस्त मांग बाजारों में दिखाई दे रही है। होली पर रिश्तेदारों के यहां हार और मिठाई के साथ में मेवे की माला ले जाने की परंपरा के चलते खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ दुकानों पर लगी रही। इसके चलते बाजार में चहल पहल बनी हुई है।

तीन हजार से अधिक होली मिलन समारोह

कैट के अनुसार इस वर्ष दिल्ली सहित देश भर में बड़े पैमाने पर होली समारोहों का आयोजन हो रहा है जिसके चलते बैंक्वेट हाल, फार्म हाउस, होटलों, रेस्तरां व सार्वजनिक पार्कों में होली समारोहों आयोजनों का तांता लगा हुआ है और इस सेक्टर ने दो वर्ष के बाद अच्छा व्यापार के दिन देखे हैं । अकेले दिल्ली भर में छोटे बड़े मिलाकर तीन हजार से ज्यादा होली मिलन समारोह आयोजित होंगे और सभी कार्यक्रमों में शामिल लोगों को चेहरों पर एक नई खुशी तथा उत्साह का वातावरण देखने को मिल रहा है।

हर्बल रंग व गुलाल की मांग

बाजारों में केमिकल की जगह हर्बल रंग व गुलाल की सर्वाधिक मांग है। वहीं, गुब्बारे और पिचकारी की मांग पिछले वर्ष के मुकाबले 30 प्रतिशत तक अधिक है। फेडरेशन आफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के महामंत्री राजेंद्र शर्मा ने बताया कि इस बार बाजार में अलग-अलग तरह की पिचकारी गुब्बारे और अन्य आकर्षक आइटम आए हुए हैं। प्रेशर वाली पिचकारी 100 रुपये से 350 रुपये तक की उपलब्ध है। टैंक के रूप में पिचकारी 100 रुपये से लेकर 400 रुपये तक में उपलब्ध है।इसके अलावा फैंसी पाइप की भी बाजार में धूम मची है। बच्चे स्पाइडर मैन, छोटा भीम आदि को बच्चे खूब पसंद कर रहे है वहीं गुलाल के स्प्रे की मांग है। मोदी टैंक पिचकारी भी खूब पसंद की जा रही है।

'स्वस्थ महिला-स्वस्थ भारत' की थीम पर मनेगा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

नोएडा। 'स्वस्थ महिला-स्वस्थ भारत' की थीम पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में प्रमुख सचिव (चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को पत्र जारी किया गया है, जिसके अनुसार मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय और आयुष्मान भारत - हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील कुमार शर्मा ने बताया-रविवार को सीएमओ कार्यालय और जनपद के आयुष्मान भारत - हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन कर 'साइकिल फॉर हेल्थ' कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा दिया जा सके।

गैर संचारी रोग कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आठ मार्च को है। इस दिन होली होने के कारण सरकारी

कार्यालयों में अवकाश है, इस लिए पांच मार्च (रविवार) को इस दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया- प्रात नौ बजे सीएमओ कार्यालय से महिलाओं की साइकिल रैली निकाली जाएगी, जिसे मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील कुमार शर्मा झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। रैली सीएमओ कार्यालय से शुरू होकर महिला थाने के सामने से सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन, राजकीय डिग्री कॉलेज, रवि बाजार होते हुए वापस सीएमओ कार्यालय पर आकर समाप्त होगी।

डा. सिंह ने बताया शराब, धूम्रपान, खराब आहार की आदतें, अपर्याप्त गतिविधि और वायु प्रदूषण के कारण लोग गैर संचारी रोगों के शिकार हो रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए साइकिल फॉर हेल्थ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिला वित्त एवं रसद सलाहकार आशूदीप ने बताया- मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर साइकिल रैली के बाद महिलाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आत्म रक्षा (सेल्फ डिफेंस) के गुर सिखाए जाएंगे। उन्होंने बताया रविवार को सभी आयुष्मान भारत - हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुनील कुमार शर्मा ने बताया-रविवार को सीएमओ कार्यालय और जनपद के आयुष्मान भारत - हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन कर 'साइकिल फॉर हेल्थ' कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा दिया जा सके।

गाजियाबाद में पुलिस द्वारा उगाही का वीडियो वायरल, डीसीपी ने बिठाई जांच

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट बनी तो क्या उगाही वालों के मजे आ गए। यह हम नहीं कह रहे क्योंकि वायरल वीडियो इस बात की गवाही दे रहे हैं। इसके बाद गाजियाबाद ग्रामीण डीसीपी ने इस पूरे मामले की जांच बिठा दी है। गाजियाबाद में वायरल यह वीडियो देखिए। यह वीडियो गाजियाबाद के एसीपी लोनी कोर्ट के बाहर के बताए जा रहे हैं। वीडियो बेशक पूरे साफ नहीं है क्योंकि किसी आम आदमी ने बनाकर इसको वायरल किए हैं। लेकिन पैसे का लेनदेन इसमें साफ दिख रहा है। आरोप लगाया जा रहा है कि कुछ स्थानीय लोग जो एसीपी लोनी की कोर्ट में धारा 151 के आरोपी लाए जाते हैं उनको जेल ना जाने के नाम पर उनके परिजनों से पैसे की उगाही करते हैं।आरोप सिर्फ इतना ही नहीं है। बाकी आरोप इससे भी संगीन है। आरोप है कि कोर्ट में सुनवाई होने के बाद उनको जेल जाने वाली बस में बिठा दिया जाता है और जब वह पैसे दे देते हैं तो उनको बस से उतार लिया जाता है। इन आरोपों के बाद तो ऐसा लगता है कि इसमें खाकी वालों की भी मिलीभगत है। यह वीडियो जैसे ही वायरल हुए गाजियाबाद पुलिस एक्शन में आई और अब गाजियाबाद के डीसीपी ग्रामीण का कहना है कि उन्होंने इस मामले की जांच एसीपी लोनी को सौंप दी है।आपको बता दें गाजियाबाद में जब से पुलिस कमिश्नरेट जारी हुआ है तब से धारा 151 सहित कई ऐसे मामले हैं जो प्रशासन के बाद पुलिस पर आ गए हैं ऐसे में इस तरह के आरोप लगना निश्चित रूप से बेहद संगीन है।

डब्ल्यूपीएल : दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

शैफाली-मेग के अर्धशतकों के बाद नॉरिस की शानदार गेंदबाजी, दिल्ली 60 रन से जीता

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले जा रहे महिला प्रीमियर लीग के दूसरे मैच में 60 रन से जीत दर्ज की है। दिल्ली की ओपनरों शैफाली वर्मा और मेग लेनिंग की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों के बाद तारा नॉरिस ने गेंदबाजी इकाई की अगुवाई की और पारी में 5 विकेट लेकर टीम की जीत सुनिश्चित की।

दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शैफाली वर्मा के 45 गेंदों पर 10 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 84 रन और मेग लैनिंग के 43 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 72 रन की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत शानदार शुरूआत की और पहले विकेट के लिए 163 रन की साझेदारी हुई। शैफाली और मेग के आउट होने के बाद मरिजैन कप्प (39*) और जेमीमा (22*) ने कमान संभाली और रन बनाने जारी रखे और 2 विकेट गंवाकर आरसीबी को 224 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया है। आरसीबी को दो ही विकेट मिले जो हीथर नाइट के नाम रहे।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए मैदान में उतरी बेंगलुरु टीम ने स्मृति मंधाना और सोफी डिवाइन की जोड़ी के साथ धमाकेदार ओपनिंग की और 4 ओवर में 41 रन जोड़े। लेकिन पांचवें ओवर की दूसरी गेंद पर डिवाइन (14) के आउट होने के बाद जोड़ी तो टूटी ही साथ ही टीम भी बिखरती हुई नजर आई। इसके बाद नेट रन रेट गिरता गया और नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे जो आशा शोभना (2) के विकेट के साथ कुछ देर के लिए थमे। नाइट और मेगन शट्ट ने फासला कम करने में मदद की लेकिन विकेट्स और बल्लेबाजों के अभाव के कारण वह संभल कर बल्लेबाजी करती नजर आई जिससे टीम 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 163 रन ही बन पाई और हार के साथ डब्ल्यूपीएल अभियान की शुरूआत की।

अर्धशतकीय पारी खेलकर खुशी हुई : शैफाली

मुम्बई । दिल्ली की सलामी बल्लेबाज ओपनर शैफाली वर्मा ने कहा है कि महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने खिलाफ अपनी पारी की शुरुआत में वह थोडी घबरायी हुई थीं। शैफाली ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 84 रन बनाये। शैफाली ने कहा कि मेग लेनिंग के साथ उनकी साझेदारी अच्छी रही। लेनिंग ने इस मैच में 72 रन बनाये। शैफाली ने आक्रामक अर्धशतकीय पारी के बाद कहा, मुझे बहुत खुशी हुई, यह बल्लेबाजी के लिए एक बेहतरीन विकेट था। मैं शुरुआत में घबरायी हुई थी। लैनिंग के साथ खेलने का अनुभव अच्छा रहा, वह मेरी अच्छी दोस्त हैं और उन्होंने मुझे बल्ले से अपनी जिम्मेदारी निभाने को कहा। हम सिर्फ अच्छे शॉट खेलना चाहते थे और अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहते थे। जब आप एक लक्ष्य प्राप्त करते हैं तो आप खुशी का अनुभव करते हैं। शैफाली ने 45 गेंदों पर 10 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 84 रन जबकि मेग लैनिंग ने 43 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 72 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इसी के साथ ही दोनों ओपनरों के बीच पहले विकेट के लिए 163 रन की साझेदारी हुई।

'मैं इतिहास बनाने के लिए खेलता हूं', एमबाप्पे पीएसजी के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे शनिवार को नैनटेस पर 4-2 की जीत के दौरान पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। एम्बाप्पे ने मैच के इंजरी समय (90+2 मिनट) में मुकाबले का आखिरी गोल किया जो पीएसजी के लिए उनका 201वां गोल था। उन्होंने इसके साथ ही एडिसन कवानी के 200 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस जीत से पीएसजी की टीम 'लीग वन (फ्रांस की शीर्ष घरेलू लीग)' की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई।

एम्बाप्पे ने पीएसजी के लिए 247वां मैच खेलने के बाद कहा, ''जब मैं यहां आया था तब काफी कम उम्र का खिलाड़ी था। मैंने यहां बहुत कुछ सीखा है। मैं इतिहास बनाने के लिए खेलता हूं। मैंने हमेशा यह कहा है । मैं इस टीम और फ्रांस के लिए यह करना चाहता हूं। यह एक व्यक्तिगत उपलब्धि है लेकिन मैं यहां सामूहिक उपलब्धियों के लिए भी आया हूं।'

लियोनेल मेसी ने मैच के 12वें मिनट में ही पीएसजी को बढ़त दिला दी थी। जौन हदजाम के आत्मघाती गोल से टीम की बढ़त दोगुनी हो गयी। लुडोविक ब्लास और इग्नाटियस गनागो ने सात मिनट के अंदर दो गोलकर मैच में नैनटेस की वापसी कर दी। दूसरे हाफ में डानिलो परेरा (60वां मिनट) के गोल से पीएससी ने मैच में एक बार फिर बढ़त बनायी और इंजरी समय में एम्बाप्पे ने गोलकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। अन्य मैच में लिली ने लेंस को 1-1 की बराबरी पर रोका।

भारत में एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को तैयार हैं आजम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के दिग्गज पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही जहां पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख रहे रमीज राजा ने भारत में विश्वकप का बहिष्कर करने की धमकी दी थी। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा है कि उनकी टीम भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में खेलने के लिए तैयार है। वहीं पाक के पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि अगर भारतीय टीम एशिया कप के लिए पाक नहीं आती है तो उनके देश को भी भारत नहीं जाना चाहिये। इसी बीच पाकिस्तान प्रीमियर लीग (पीएसएल) खेल रहे आजम ने कहा है कि भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए वह तैयारियों में लगे हैं। आजम का ये बयान पीसीबी के एकदम विपरीत है।

पीसीबी ने गत दिनों यह कहा था कि अगर भारत एशिया कप के लिए पाक नहीं आएगा तो हम भी एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएंगे। पाक के कई क्रिकेटरों ने पीसीबी की इस बात का भी समर्थन किया था। अब बाबर ने एक साक्षात्कार में कहा कि हम भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी में जुटे हैं.

बाबर ने साथ ही कहा, मैं और मोहम्मद रिजवान विश्व कप में रन बनाने की कोशिश करेंगे पर हर पारी में हमारे लिए स्कोर करना आसान नहीं होगा। इसलिए यह जरूरी होगा कि हमारे अलावा और सभी खिलाड़ी भी टूर्नामेंट में रन बनाए।

जहां से करियर शुरू, वहीं पर टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने किया अंत

इन्दौर (एजेंसी)। हैदराबाद-भारत की महान टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने 'खुशी के आंसुओं' के साथ रविवार को एक खिलाड़ी के तौर पर अपनी शानदार यात्रा का समापन उसी स्थान से किया, जहां से उन्होंने इसकी शुरूआत की थी। सानिया ने लाल बहादुर टेनिस स्टेडियम में प्रदर्शनी मैचों में खेलकर अपने पथ-प्रदर्शक सफर को आखिरकार अलविदा कह दिया जहां उन्होंने करीब दो दशक पहले ऐतिहासिक डब्ल्यूटीए एकल खिताब के साथ बड़े मंच पर अपने आगमन के संकेत दे दिय थे।

इन प्रदर्शनी मैचों में रोहन बोपन्ना, युवराज सिंह और उनकी सबसे अच्छी मित्र बेथानी माटेक सैंड्स शामिल थीं। प्रदर्शनी मैचों को देखने पहुंचने वालों में केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रीजीजू और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन सहित कई हस्तियां शामिल थीं। छत्तीस वर्षीय सानिया लाल रंग की कार में स्टेडियम पहुंची और कई नामी गिरामी हस्तियों सहित दर्शकों ने तालिया बजाकर उनका अभिनंदन किया। सानिया अपने विदाई भाषण में भावुक हो गयी, उन्होंने कहा कि उनके लिये सबसे बड़ा सम्मान देश के लिये 20 साल तक खेलना रहा है।

छह बार (तीन महिला युगल में और तीन मिश्रित युगल में) की ग्रैंडस्लैम विजेता ने दो मिश्रित युगल प्रदर्शनी मैच खेले और दोनों जीते। सानिया ने यहां इस स्थल पर कई यादगार खिताब जीते हैं जिसे किसी उत्सव की तरह सजाया गया जिस पर 'सेलीब्रेटिंग द लीगेसी ऑफ सानिया मिर्जा' जैसे बैनर लगे थे। कुछ प्रशंसकों ने 'प्लेकार्ड' पकड़े हुए थे जिस पर लिखा था, 'थैंक यू फॉर द मैमोरिज' और 'वी विल मिस यू, सानिया' लिखा था। दर्शकों में ज्यादातर स्कूल के बच्चे थे और जैसे ही सानिया ने कोर्ट में कदम रखा, वे 'चीयर' करने लगे।

मैच से पहले सानिया ने कहा, 'मैं आप सभी के सामने अपना अंतिम मैच खेलने के लिए काफी उत्साहित हूं।' पूर्व खेल मंत्री रीजीजू, तेलंगाना के मंत्री केटी रामा राव, अजहरूद्दीन और युवराज स्टेडियम में मौजूद दर्शकों में शामिल थे। रीजीजू ने कहा, 'मैं सानिया मिर्जा के विदाई मैच के लिये ही हैदराबाद आया हूं। मैं यहां इतने सारे लोगों को देखकर खुश हूं। सानिया मिर्जा सिर्फ भारतीय टेनिस के लिए ही नहीं बल्कि भारतीय खेलों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं।' उन्होंने कहा, 'जब मैं खेल मंत्री था तो मैं उनके संपर्क में रहता था। मैं उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनायें देता हूं।' सानिया के परिवार के सदस्य और दोस्त भी स्टेडियम में मौजूद थे। मैच के बाद रामा राव और तेलंगाना के खेल मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने सानिया को सम्मानित किया।

इंदौर पिच की सुनवाई वाली आईसीसी समिति में शामिल नहीं रहेंगे गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इंदौर के होल्कर स्टेडियम की पिच को खराब रेटिंग दिये जाने के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के फैसले के खिलाफ अपील करेगा। आईसीसी की जो समिति इस मामले की सुनवाई के लिए बनी है उसके प्रमुख सौरव गांगुली हैं हालांकि सौरव इस मामले में बीसीसीआई की सहायता नहीं कर सकते क्योंकि यहां हितों के टकराव का सवाल उठ खड़ा होगा। ऐसे में गांगुली उस कमेटी का हिस्सा नहीं रहेंगे, जिसे इंदौर की पिच रेटिंग को लेकर सुनवाई करनी है। इस कमेटी में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व सीईओ वसीम खान भी शामिल हैं ।गांगुली को पुरुष क्रिकेट कमेटी के चेयरमैन के तौर पर इस पैनल की जिम्मेदारी किसी अन्य को सौपनी होगी। वसीम खान और इस कमेटी का कोई और सदस्य इंदौर पिच रेटिंग पर सुनवाई करेगा। गांगुली टीम इंडिया के पूर्व कप्तान हैं और कुछ ही समय पहले तक वे बीसीसीआई के भी चेयरमैन रहे थे। ऐसे में हितों के टकराव का सवाल उठना प्रबल है।

ऋषभ के नहीं होने से आया अंतर : इयान चैपल

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा है कि इंदौर टेस्ट में भारत की हार का कारण उसके पास आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत का नहीं होना रहा। ऋषभ कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर और और उनकी वापसी में अभी समय लगेगा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा भारत की करारी हार का आंकलन करते हुए कहा कि ऋषभ पंत की अनुपस्थिति से भारतीय टीम की बल्लेबाजी में अंतर आया है। ऋषभ की जगह खेल रहे केएस भरत विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी दोनो में ही प्रभावित नहीं कर पाये हैं। चैपल ने कहा कि एक बड़ा अंतर मेजबानों के लिए ऋषभ की अनुपस्थिति रहा है और हर कोई धीरे-धीरे यह समझ रहा है कि वह भारतीय टीम के लिए कितना अहम है। चैपल ने कहा, एक बड़ा अंतर यह है कि इस भारतीय पक्ष में कोई ऋषभ नहीं है। इससे पहले पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने भी कहा था कि अगर पंत लाइनअप का हिस्सा होते तो स्पिनर मैट कुह्नमैन और नाथन लियोन को नहीं छोड़ते। कनेरिया ने कहा, अगर आप ऋषभ से पूछेंगे कि इन स्पिनरों के खिलाफ कैसे बल्लेबाजी करनी है, तो वह आपको अपने पैरों का उपयोग करने, गेंद की पिच पर पहुंचने और गेंद को दूर तक मारने के लिए कहेंगे। अगर वह वहां होता, तो वह ल्योन और कुह्नमैन को नहीं छोड़ता। उसने उन पर हमला करके उन्हें अपनी लैंथ बदलने के लिए मजबूर कर दिया होता।

शेष भारत ने मध्य प्रदेश को 238 रनों से हराकर ईरानी कप जीता

ग्वालियर (एजेंसी)। शेष भारत की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईरानी कप घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश को 238 रनों से हरा दिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 437 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए मध्य प्रदेश की टीम अपनी दूसरी पारी में 198 रनों पर ही आउट हो गयी।

इस मैच में मध्य प्रदेश की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवे ओर अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी शुरुआत दो विकेट पर 81 रन से की थी। उसे पहली बार ईरानी कप जीतने के लिए 356 रन की जरूरत थी पर नाबाद बल्लेबाज रहे हिमांशु मंत्री एक भी रन और बनाये बिना 51 रनों पर ही आउट हो गये। जिसके बाद टीम के विकेट लगातार गिरने लगे। हिमांश के साथ खेल रहे हर्ष गवली भी 48 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद अमन सोलंकी 31 और अंकित कुशवाहा ही 23 रन बना पाये। अन्य खिलाड़ी दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये जिससे टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा। वहीं शेष भारत की ओर से सौरभ कुमार ने तीन जबकि मुकेश कुमार और पुलकित नारंग ने दो-दो खिलाड़ियों को आउट किया। इससे शेष भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए दूसरी पारी में भी शतक लगाया। पहली पारी में 213 रन बनाने वाले जायसवाल ने दूसरी पारी में 144 रन बनाये, जिससे शेष भारत की टीम अपनी दूसरी पारी में 246 रन बनाने में सफल रही। वहीं शेष भारत ने पहली पारी में 484 रन बनाए थे जबकि मध्य प्रदेश की टीम ने अपनी पहली पारी में 294 रन ही बनाये थे।

संतोष ट्रॉफी : कर्नाटक 54 साल बाद बना चैंपियन, मेघालय को 3-2 से हराया

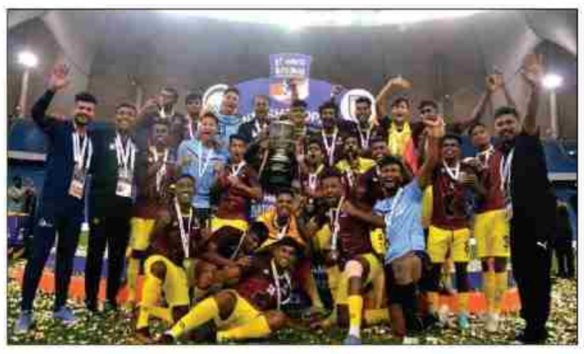

रियाद। कर्नाटक ने संतोष ट्रॉफी के गलाकाट फाइनल में दमदार प्रदर्शन करते हुए मेघालय को 3-2 से हराकर 54 साल बाद राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीत ली है। किंग फहद स्टेडियम पर शनिवार को खेले गये फाइनल में सुनील कुमार (दूसरा मिनट), बेकली ओरम (19वां मिनट) और रॉबिन यादव (42वां मिनट) ने विजेता टीम के गोल किये। उपविजेता मेघालय के गोल ब्रोलिंगटन वारलार्पीह (आठवां मिनट) और शीन स्टीवेन्सन स्फकटंग (60वां मिनट) ने दागे। कर्नाटक ने पिछली बार राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 1968-69 में मैसूर के रूप में जीती थी। कर्नाटक ने पांच दशक का सूखा समाप्त करने के लिये मैच की दमदार शुरुआत की। सुनील ने रॉबिन के लंबे थ्रो की बदौलत दूसरे मिनट में गोल करके कर्नाटक को बढ़त दिलाई। कर्नाटक की खुशी हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और मेघालय ने आठवें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। ब्रोलिंगटन ने स्पॉट किक को सफलतापूर्वक गोल में तब्दील करके स्कोर बराबर कर दिया। मेघालय को कुछ देर बाद बढ़त लेने का मौका भी मिला लेकिन फिगो सिंडाई का निशाना नेट में नहीं पहुंचा। कर्नाटक ने मेघालय की इस चूक का फायदा उठाकर गेंद को अपने कब्जे में ले लिया और 19वें मिनट में बेकली ने सुनील के पास की मदद से गेंद को नेट में पहुंचा दिया। पहला हाफ समाप्त होने से पहले रॉबिन ने गोल करके कर्नाटक की बढ़त 3-1 कर दी। तमाम बाधाओं को पार करते हुए फाइनल में पहुंची मेघालय ने दूसरे हाफ में बेहतर फुटबॉल खेली, लेकिन वह कर्नाटक की बढ़त को समाप्त नहीं कर सकी। सेमीफाइनल में मेघालय का मैच-जिताऊ गोल करने वाले शीन ने यहां भी 60वें मिनट में स्कोर किया, हालांकि यह उनकी टीम का आखिरी गोल था। कर्नाटक ने इसके बाद अपने चुस्त रक्षण से मेघालय को स्कोर बराबर करने का कोई मौका नहीं दिया और राष्ट्रीय चैंपियन का ताज अपने सिर सजाया। इससे पूर्व, सर्विसेज ने कांस्य पदक मैच में पंजाब को 2-0 से हराकर संतोष ट्रॉफी में तीसरा स्थान हासिल किया। शफील पी पी (सातवां मिनट) और क्रिस्टोफर कमेई (60वां मिनट) ने विजेता टीम के लिये गोल किये।

पिछले तीन साल से टेस्ट मैचों में खामोश है विराट का बल्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली का बल्ला पिछले तीन साल से टेस्ट क्रिकेट में खामोश बना हुआ है। यह इससे पता चलता है कि विराट ने साल 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम बार टेस्ट शतक लगाया था। उसके बाद से ही वह 24 टेस्ट की 41 पारियों में एक भी शतक नहीं लगा पाये हैं। विराट ने 2019 के बाद से अभी तक 23 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें उनका औसत 25.7 का रहा है। इस दौरान उन्होंने 1028 रन बनाए हैं। साल 2011 में टेस्ट करियर में पदार्पण करने के बाद से ही विराट ने 84 टेस्ट मैचों में 54 से ज्यादा की औसत से रन जुटाए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती तीन टेस्ट मैचों में भी विराट रन नहीं बना पाये हैं। . अभी तक इस सीरीज में वह एक अर्धशतक तक नहीं लगा पाये हैं। विराट ने अंतिम बार टेस्ट अर्धशतक गत वर्ष जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगाया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्तमान बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में विराट ने 5 पारियों में 111 रन बनाए है। इस दौरान उनका औसत 22.20 रहा है। पिछले साल जब उन्होंने 1021 दिन बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाया था। तब ऐसा लगा कि कोहली पुरानी लय में लौट आए है। तब उन्होंने एशिया कप टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार 122 रन बनाए थे। टी20 में कोहली का यह पहला अर्धशतक था। इसके बाद उन्होंने पिछले साल दिसंबर और इस साल जनवरी में तीन एकदिवसीय शतक शतक लगाये थे जिससे उनके शतकों की संख्या 74 तक पहुंची। इससे लगा कि उनका खराब दौर समाप्त पर ऐसा हुआ नहीं। वर्तमान टेस्ट सीरीज में भी वह पहले तीनों मैचों में अधिक रन नहीं बना पाये हैं। पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में वह 12 रन ही बना पाये जबकि दूसरे टेस्ट में 44 और 20 रन वह तीसरे टेस्ट में वह 13 और 22 रन ही बना पाये। इससे अंदाज होता है कि उन्हें रनों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

सेना में भर्ती होने का सपना देखने वाले अक्षदीप सिंह ने पैदलचाल में बनाई राष्ट्रीय पहचान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के बरनाला जिले के एक छोटे से कहनेके गांव के रहने वाले अक्षदीप सिंह ने भारतीय सेना में शामिल होने का सपना देखा था लेकिन इसकी तैयारियों ने उन्हें पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने वाला एथलीट बना दिया। पिछले महीने झारखंड के रांची में आयोजित 10वीं राष्ट्रीय ओपन रेस पैदल चाल चैंपियनशिप के 20 किमी स्पर्धा में 23 वर्षीय अक्षदीप ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करने के साथ 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों का क्वालिफिकेशन हासिल किया।

अक्षदीप ने इस स्पर्धा में एक घंटा 19 मिनट और 55 सेकंड के समय के साथ राष्ट्रीय बनाया था। उन्होंने हरियाणा के संदीप कुमार (एक घंटा 20 मिनट और 16 सेकंड) का रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने कहा, 'जब मैं 15 साल का था, तब मैंने सेना में शामिल होने के अपने सपने को पूरा करने की तैयारी शुरू कर दी थी। उस समय मैं तेज दौड़ता था और सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे गांव के अधिक उम्र के युवकों ने भी इसके लिए मेरी तारीफ की थी। उन्होंने ही सुझाव दिया कि मुझे एथलेटिक्स में हाथ आजमाना चाहिए।' अक्षदीप इसके बाद बरनाला में कोच जसप्रीत सिंह से मिले।

उन्होंने कहा, 'लेकिन कोच ने सुझाव दिया कि मैं पैदल चाल का विकल्प चुनूं। मुझे शुरू में यह पसंद नहीं आया क्योंकि मैं दौड़ने वाली स्पर्धाओं में भाग लेना चाहता था।' इसके बाद अक्षदीप दिसंबर 2016 में पटियाला आए जहां कोच गुरदेव सिंह ने उन्हें पैदल चाल के लिए प्रशिक्षित किया। उन्होंने कहा, 'मैंने आखिरकार अप्रैल 2017 में पैदल चाल में आगे बढ़ने का मन बना लिया।'

अक्षदीप ने तरनतारन में आयोजित अंडर-18 उत्तर भारत चैंपियनशिप में अपना पहला कांस्य पदक जीता। इसके बाद उन्होंने अंडर-18 जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया और रजत पदक जीता। उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय खेलों 2017 में फिर से रजत पदक जीता। उन्होंने प्रशिक्षण शुरू करने के एक वर्ष के अंदर अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके बाद 2019 में घुटने में चोट के कारण वह विश्व विश्वविद्यालय खेलों (इटली) में भाग नहीं ले सके।

फरवरी 2020 में उन्होंने खेल में वापसी की लेकिन राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में 12वें स्थान पर रहे। इस दौरान कोविड-19 महामारी के दौर ने उनके लिए चीजों को जटिल बना दिया। अक्षदीप ने कहा, 'मेरी अंतरात्मा की आवाज मुझे फिर से मेरे खेल में अपना भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया और 2021 में मैं प्रशिक्षण के लिए बेंगलुरु गया। अक्षदीप ने जनवरी 2022 में मैंगलोर में अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय खेलों में नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कहा, 'मुझे टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया। इसके साथ, मैंने आत्मविश्वास हासिल किया।'

पिछले साल भारतीय नौसेना में नौकरी पाने वाले अक्षदीप अब चीन में होने वाले एशियाई खेलों और हंगरी में विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इन खेलों में पदक जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा और इससे अगले साल पेरिस ओलंपिक खेलों से पहले मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।' अक्षदीप के परिवार के पास बरनाला में दो एकड़ कृषि भूमि है। उनके पिता एक केमिकल फैक्ट्री में काम करते हैं जबकि उनकी मां आंगनवाड़ी में हैं। पंजाब सरकार ने पिछले महीने अक्षदीप को 2024 ओलंपिक खेलों की तैयारी के लिए पांच लाख रुपये दिए थे।

चौथे टेस्ट में शमी की वापसी तय

अहमदाबाद (ईएमएस)। यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 9 मार्च से शुरु होने वाले चौथे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी की संभावनाएं हैं। शमी को क्रिकेट बोर्ड की कार्यभार प्रबंधन की नीति के तहत ही इंदौर में खेले गए तीसरे टेस्ट से आराम दिया गया था। गौरतलब है कि टीम प्रबंधन ने मेडिकल स्टाफ की सलाह से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के ज्यादातर मैचों को खेलने वाले और एकदिवसीय विश्व कप की योजना में शामिल तेज गेंदबाजों को बारी-बारी से आराम की नीति बनायी है। शमी ने शुरुआती दो टेस्ट खेले थे और वह एकदिवसीय टीम के लिए भी शामिल हैं। इसी कारण इंदौर टेस्ट में टीम में उनकी जगह अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव को शामिल किया गया था। वहीं पहले टेस्ट में शामिल रहे युवा तेज गेंदबाज मोम्मद सिराज को भी एकदिवसीय के लिए टीम में रखा गया है। ऐसे में उनके भी अंतिम टेस्ट में खेलने की संभावना नहीं है। शमी ने इस श्रृंखला में अब तक काफी अच्छी गेंदबाजी करते हुए दो मैचों में 30 ओवर गेंदबाजी करते हुए सात विकेट लिए हैं। माना जा रहा है कि मोटेरा की सूखी पिच पर टीम को शमी जैसे रिवर्स स्विंग गेंदबाजों की जरुरत रहेगी। भारतीय टीम चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में सीधे क्वालीफाई करने के लिए उसे इस मुकाबले को जीतना होगा।

कई चुनौतियों का सामना कर रही न्यायालय, इसके खिलाफ न्यायिक बिरादरी को एकजुट होना चाहिए : यूयू ललित

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसी)। पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया यूयू ललित का न्यायपालिका की आजादी को लेकर बड़ा बयान आया है। कलकत्ता में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व चीफ जस्टिस यूयू ललित ने कहा कि न्यायपालिका ने काफी चुनौतियों का सामना किया है। अगर कोई न्यायपालिका की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करने की कोशिश करता है तो उनसे उचित तरीकों से निपटा भी जाता है। जस्टिस यूयू ललित ने कहा कि एक फलते-फूलते लोकतंत्र के लिए, एक स्वतंत्र न्यायपालिका होनी चाहिए क्योंकि विवाद समाधान के माध्यम से ही समाज को कानून के शासन द्वारा शासन का आश्वासन दिया जाता है।

पूर्व चीफ जस्टिस ने कहा, 'न्यायपालिका को आज विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए, हमें एक न्यायिक बिरादरी के रूप में मजबूत होना होगा। हमें हर तरह के दबाव, हमले या किसी भी तरह के हस्तक्षेप को रोकना होगा।'

शनिवार की शाम कलकत्ता में भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा 'स्वतंत्र न्यायपालिका: एक जीवंत लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अदालती फैसलों के कई उदाहरण हैं जो कार्यकारी हस्तक्षेप के अधीन हैं, लेकिन इन्हें सुनिश्चित करने के लिए उचित तरीके से निपटाया गया है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता।

पूर्व सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता के गुण विवाद समाधान के उद्देश्य से निष्पक्षता, कार्रवाई में निष्पक्षता, तर्कशीलता और पूर्ण सत्यनिष्ठा हैं। यह देखते हुए कि किला कभी भीतर से नहीं गिरता। पूर्व सीजेआई ने कहा कि यह वह अभिव्यक्ति है जिसके साथ जिला न्यायपालिका की रक्षा की जानी है।

ललित ने कहा कि जिला न्यायपालिका राज्य में उच्च न्यायालय को छोड़कर किसी के नियंत्रण में नहीं होनी चाहिए। उनकी सभी पोस्टिंग, पदोन्नति, नियुक्तियां और यहां तक कि तबादले भी उच्च न्यायालयों की सिफारिश पर ही होने चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका के कामकाज में कोई बाहरी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। जस्टिस ललित ने कहा कि संविधान में कई लेख यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक न्यायाधीश या सामान्य रूप से न्यायपालिका के कामकाज में कोई हस्तक्षेप न हो।

जस्टिस यूयू ललित ने आगे कहा, 'न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने का एक तरीका यह है कि ऐसा माहौल हो जहां न्यायिक कार्यों के निर्वहन के लिए जिम्मेदार लोगों में पूर्ण स्वतंत्रता की भावना हो और किसी भी एजेंसी के हस्तक्षेप की कमी हो।' उन्होंने कहा कि न्यायपालिका के कंधे किसी भी तरह के बाहरी हमले से निपटने के लिए काफी मजबूत हैं।

सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस हिमा कोहली ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता सिर्फ एक सिद्धांत नहीं बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता है। उन्होंने कहा, 'एक स्वतंत्र न्यायपालिका की प्रासंगिकता को बढ़ा-चढ़ा कर पेश नहीं किया जा सकता है, खासकर हमारे जैसे देश में जो सिर्फ एक लोकतांत्रिक गणराज्य नहीं है, इसे संविधान में एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में वर्णित किया गया है।'

न्यायमूर्ति कोहली ने कहा कि संवैधानिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए न्यायपालिका को स्वतंत्र और निष्पक्ष होना चाहिए। यह किसी भी बाहरी और आंतरिक प्रभाव से मुक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा, न्यायिक स्वतंत्रता नागरिकों के मौलिक अधिकारों का एक पहलू ही नहीं है, बल्कि एक जीवंत और लोकतांत्रिक सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एक आवश्यक शर्त भी है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सर्वोच्च न्यायालय ने कई ऐतिहासिक मामलों में बरकरार रखा है।

सिर्फ कागजों में हटा अनुच्छेद-370, कश्मीरी पंडितों की हत्या का बीजेपी के पास जवाब नहीं : संजय राउत

मुंबई, 05 मार्च (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने कश्मीरी पंडितों के मुद्दे पर भाजपा पर हमला बोला है।

राउत ने रविवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करना केवल कागजों पर था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए किया गया था।

पार्टी के मुखपत्र 'सामना' के 'रोकटोक' कॉलम में राउत ने कहा कि इस कदम के बावजूद कश्मीरी पंडितों को उनके अधिकार नहीं मिले और भाजपा नेताओं के पास उनकी परेशानियों का कोई जवाब नहीं है।

उन्होंने कहा, हाल ही में पुलवामा में आतंकवादियों ने एक कश्मीरी पंडित की हत्या कर दी थी, लेकिन भाजपा ने कथित शराब घोटाले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करके समुदाय के दुख पर पानी फेर दिया (हत्या से ध्यान भटकाया गया)।

राउत ने कहा, जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था और रहेगा। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को केवल कागजों पर खत्म किया गया है और भाजपा के राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए ऐसा किया गया है।

राउत ने अपने कॉलम में कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' के तहत उत्तरी केंद्र शासित प्रदेश की अपनी हालिया यात्रा के दौरान उन्होंने कश्मीरी पंडितों से मुलाकात की और समुदाय के लोगों ने उन्हें घाटी में जबरन स्थानांतरित किए जाने के बारे में बताया, सरकार उनकी सुरक्षा की गारंटी देने के लिए तैयार नहीं थी।

उन्होंने यह भी कहा कि दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा कथित लव जिहाद और अन्य मुद्दों के खिलाफ हाल ही में मुंबई में आयोजित 'हिंदू आक्रोश मोर्चा' कश्मीरी पंडितों की हत्या के विरोध में जम्मू-कश्मीर में आयोजित किया जाना चाहिए।

उन्होंने पंजाब में खालिस्तान समर्थक तत्वों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह आंतरिक सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है जिसे वहां की राज्य सरकार के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता।

एजेंसियों के दुरुपयोग पर विपक्ष के नौ नेताओं का पीएम मोदी को पत्र

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित नौ विपक्षी नेताओं ने मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि इसे दुनिया भर में एक राजनीतिक शिकार के रूप में उद्धृत किया जाएगा और भारत के लोकतंत्र को संदिग्ध निगाहों से देखा जाएगा।

पत्र पर सात गैर आप नेताओं समेत नौ नेताओं के हस्ताक्षर हैं। इसमें कांग्रेस के किसी नेता का नाम नहीं है। पत्र में समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव, एनसीपी के शरद पवार, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, पंजाब के सीएम भगवंत मान, बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के हस्ताक्षर हैं।

पत्र में कहा गया है, हमें उम्मीद है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि भारत अभी भी एक लोकतांत्रिक देश है। विपक्ष के सदस्यों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों के खुले दुरुपयोग से लगता है कि हम एक लोकतंत्र से निरंकुशता में परिवर्तित हो गए हैं।

इसने कहा, 26 फरवरी 2023 को, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को उनके खिलाफ सबूतों के बिना कथित अनियमितता के सिलसिले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तार किया गया था।

पत्र में कहा गया है कि सिसोदिया के खिलाफ आरोप निराधार हैं और एक राजनीतिक साजिश की तरह हैं। उनकी गिरफ्तारी से पूरे देश में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। मनीष सिसोदिया को दिल्ली की स्कूली शिक्षा को बदलने के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है। उनकी गिरफ्तारी को दुनिया भर में एक राजनीतिक शिकार के रूप में उद्धृत किया जाएगा।

पत्र में आगे लिखा है, 2014 के बाद से आपके शासन के तहत जांच एजेंसियों द्वारा की गई कार्रवाई में अधिकतर विपक्ष के लोग शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि जांच एजेंसियां भाजपा में शामिल होने वाले विपक्षी नेताओं के खिलाफ धीमी गति से चलती हैं।

इसमें उल्लेख किया गया कि, कांग्रेस के पूर्व सदस्य और असम के वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की सीबीआई और ईडी ने 2014 और 2015 में सारदा चिटफंड घोटाले की जांच की थी। लेकिन उनके भाजपा में शामिल होने के बाद मामला आगे नहीं बढ़ा। इसी तरह नारद स्टिंग ऑपरेशन मामले में टीएमसी के पूर्व नेता शुभेंदु अधिकारी और मुकुल रॉय ईडी और सीबीआई की जांच के दायरे में थे, लेकिन राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल होने के बाद मामले आगे नहीं बढ़े। ऐसे और कई उदाहरण हैं, जिसमें महाराष्ट्र के श्री नारायण राणे भी शामिल हैं।

समुद्र में नौसेना कमांडरों का सम्मेलन, तीनों सेनाओं के बीच तालमेल कायम रखने पर चर्चा

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसी)। भारतीय नौसेना के कमांडर समुद्र में सैन्य-रणनीतिक चर्चा करने जा रहे हैं। भारतीय नौसेना के कमांडो की यह मुलाकात समुद्र में होगी।

समुद्र में हो रही इस रणनीतिक चर्चा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल रहेंगे। रक्षा प्रमुख, भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के प्रमुख भी बाद के दिनों में नौसेना के कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे। तीनों सेनाओं के बीच तालमेल कायम रखने और त्वरित कार्रवाई से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना इसका मुख्य उद्देश्य है।

यहां नौसेना कमांडरों को 22 नवंबर को भारतीय नौसेना में लागू की गई 'अग्निपथ योजना' पर नवीनतम जानकारी भी दी जाएगी। गौरतलब है कि मार्च के अंत में, अग्निवीरों का पहला बैच आईएनएस चिल्का से पास आउट होने वाला है, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों की महिला अग्निवीरों का पहला बैच भी शामिल है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2023 का नौसेना कमांडरों का प्रथम सम्मेलन 6 मार्च को शुरू होगा। यह सम्मेलन नौसेना कमांडरों के लिए सैन्य-रणनीतिक स्तर पर महत्वपूर्ण सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के एक ख्रलेटफार्म के साथ-साथ वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए एक संस्थागत मंच के रूप में कार्य करता है।

इस वर्ष कमांडरों के सम्मेलन का पहला चरण समुद्र में आयोजित किया जा रहा है। यह बात इस सम्मेलन की नवीनता है। साथ ही, पहली बार यह सम्मेलन भारत के प्रथम स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर आयोजित किया जा रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सम्मेलन के उद्घाटन के दिन आईएनएस विक्रांत पर नौसेना कमांडरों को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के पहले दिन के क्रियाकलापों के रूप में समुद्र में संचालन को प्रदर्शित करने की भी योजना है।

नौसेनाध्यक्ष, अन्य नौसेना कमांडरों के साथ पिछले छह महीनों में भारतीय नौसेना द्वारा किए गए प्रमुख संचालन, सामग्री, रसद, मानव संसाधन विकास, प्रशिक्षण और प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। यहां वह महत्वपूर्ण गतिविधियों और पहलों के लिए भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श भी करेंगे।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस क्षेत्र में मौजूदा भू-रणनीतिक स्थिति के कारण सम्मेलन का अपना महत्व और प्रासंगिकता है। भारत के बढ़ते समुद्री हितों के अनुरूप पिछले कुछ वर्षों में नौसेना के संचालन कार्यों में महत्वपूर्ण तेजी आई है। कमांडर हमारे समुद्री हितों की चुनौतियों का समाधान करने के लिए नौसेना की तैयारी पर भी विचार-विमर्श करेंगे।

भारतीय नौसेना का ध्यान युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए अनुकूल एक बल के रूप में स्थापित होने पर केंद्रित है। यह देश की समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले के तौर पर अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए निरंतर कठिन परिश्रम करती है।

अतीक के नाबालिग बेटे प्रयागराज में घूमते मिले, बाल सुधार गृह भेजा

प्रयागराज, 05 मार्च (एजेंसी)। माफिया से नेता बने सांसद अतीक अहमद के दो नाबालिग बेटों को गिरफ्तार कर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के खुल्दाबाद स्थित किशोर गृह भेज दिया गया है।

यह जानकारी पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को प्रयागराज की एक स्थानीय अदालत को दी। इससे पहले दो मार्च को पुलिस विभाग ने पूर्व सांसद के दो नाबालिग पुत्रों ऐजान अहमद और अबान अहमद को हिरासत में लेने से इंकार किया था।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) अदालत को दी गई अपनी रिपोर्ट में धूमनगंज पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) राजेश कुमार मौर्य ने कहा कि चूंकि अतीक के दोनों नाबालिग बेटे प्रयागराज के चकिया इलाके में घूमते पाए गए थे, उन्हें 2 मार्च को बाल सुधार गृह भेज दिया गया था।

सीजेएम ने पुलिस की रिपोर्ट को रिकॉर्ड में लेते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए छह मार्च की तारीख तय की है।

इससे पहले अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन ने सीजेएम दिनेश कुमार गौतम की अदालत में अपने आवेदन में आरोप लगाया था कि बसपा विधायक राजू पाल हत्या मामले के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या के बाद 24 फरवरी को पुलिस ने उनके दोनों बेटों को पूछताछ के लिए उठाया था।

हत्या के मामले में अतीक, उसकी पत्नी शाइस्ता और भाई अशरफ को आरोपी बनाया गया है।

शाइस्ता ने अपने आवेदन में यह भी आरोप लगाया था कि 24 फरवरी के बाद से उनके दोनों बेटों का कोई पता नहीं है।

उन्होंने कहा था, धूमनगंज थाने के पुलिसकर्मियों द्वारा उनके बेटों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी जा रही।

उन्होंने सीजेएम से धूमनगंज पुलिस से रिपोर्ट मांगने का अनुरोध किया था। इस आवेदन पर कार्रवाई करते हुए, सीजेएम प्रयागराज ने 28 फरवरीको प्रयागराज की धूमनगंज पुलिस से शाइस्ता द्वारा दायर आवेदन के जवाब में रिपोर्ट मांगी थी।

आईआईटी और मेडिकल जैसी परीक्षा के लिए देशभर के छात्रों को मिलेगा नया 'साथी'

नई दिल्ली, 05 मार्च (एजेंसी)। आईआईटी और मेडिकल जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग का खर्च उठाने में असमर्थ छात्रों को अब एक नया 'साथी' मिलने जा रहा है। 'सेल्फ असेसमेंट टेस्ट एंड हेल्प फॉर एंट्रेंस एग्जाम (एसएटीएचईई) यानी साथी एग्जाम की तैयारी करवाएगा।

शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक आईआईटी कानपुर की मदद से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने यह एक नई पहल की है। शिक्षा मंत्रालय का यह भी कहना है कि 'साथी' के जरिए देश के प्रसिद्ध आईआईटी संस्थानों और बेंगलुरु स्थित आईआईएससी के फैकल्टी छात्रों की मदद करेंगे।

देशभर के छात्रों के लिए 'साथी' प्लेटफॉर्म अगले सप्ताह तक अस्तित्व में आ जाएगा। अभी तक जामिया मिलिया इस्लामिया और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय जैसे कई संस्थानों में सिविल सर्विसेज की ट्रेनिंग के लिए सरकार द्वारा निशुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई जा रही थी।

हालांकि अब इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए आईआईटी समेत विभिन्न इंजीनियरिंग नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी निशुल्क सहायता छात्रों को मिल सकेगी। इस व्यवस्था पर होने वाला सारा खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के इस नए प्लेटफॉर्म साथी का उद्देश्य भारतीय छात्रों को प्रतियोगी और अन्य परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक आत्म-केंद्रित इंटरैक्टिव सीखने और मूल्यांकन मंच का अवसर प्रदान करना है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक साथी का उद्देश्य छात्रों को अवधारणाओं को सीखना और उनके कमजोर विषयों पर ध्यान केंद्रित करना है।

इसके लिए बाकायदा आईआईटी और आईआईएससी के फैकल्टी छात्रों की मदद करेंगे। इन फैकल्टियों द्वारा विभिन्न विषयों पर खास वीडियो तैयार किए जाएंगे जो परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों के लिए खासी मददगार हो सकते हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक साथी ख्रलेटफॉर्म बनाने का उद्देश्य ऐसे छात्रों तक मदद पहुंचाना है जो जेईई नीट व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महंगी कोचिंग का खर्चा उठाने में अक्षम हैं। साथी को लांच करने का उद्देश्य छात्रों को कॉन्सेप्ट्स को सीखना और अपने कमजोर टॉपिक पर ध्यान केंद्रित करवाना है।

वहीं दिल्ली में सरकारी स्कूल के छात्रों को नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं का मार्गदर्शन किया जा रहा है। अतिरिक्त मदद चाहने वाले छात्रों को लेकर सरकारी स्कूल के शिक्षकों को इस संबंध में विशेष निर्देश भी दिए गए हैं।

इस बार दिल्ली के सरकारी स्कूलों के कुल 1141 बच्चों ने जेईई मेंस और नीट में सफलता हासिल की है। दिल्ली सरकार ने सरकारी स्कूलों के 648 बच्चे नीट और 493 बच्चे जेईई मेंस में सफल हुए हैं। परीक्षाओं में सफल हुए ये बच्चे गरीब परिवारों से हैं और विषम परिस्थितियों में रहते हैं। नीट परीक्षा पास करने वालों में 199 लड़के हैं और 449 लड़कियां हैं। जेईई में 493 बच्चे सफल हुए हैं। यहां 404 लड़के और 89 लड़कियां सफल हुई हैं।

गौरतलब है कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को एक और राहत प्रदान करते हुए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं पर लगने वाला टैक्स समाप्त करने का निर्णय लिया जा चुका है। यह फैसला लागू होने से नीट, यूजीसी नेट, जेईई जैसी अनेक परीक्षाओं की फीस कम हो जाएगी और इसका सीधा लाभ इन परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों को मिलेगा। यह निर्णय हाल ही में जीएसटी काउंसिल द्वारा लिया गया है। छात्रों के मुताबिक नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा लिए जाने वाली कई परीक्षाओं पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस रन अप कार्यक्रम का आयोजन

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 05 मार्च। जिले के कालुक बीएसी सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस रन अप कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत मेघीडारा से बीएसी तक एक शांति रैली से हुई, जिसे कालुक बीडीओ श्रीमती प्रमिला गुरुंग ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्यों के अलावा पीआरआई एडी, शिक्षक तथा छात्रगण उपस्थित थे। विभाग की ओर से बताया गया कि बीएसी के सभी 5 ग्राम पंचायत इकाइयों की महिलाओं के कार्यों को बढ़ावा देना और उनके प्रति उनके समर्पण को सम्मानित करना ही कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। इसके लिए प्रत्येक जीपीयू से एक महिला का चयन किया गया था।

यहां अपने सम्बोधन में बीडीओ श्रीमती गुरुंग ने महिलाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनके सशक्तिकरण के बारे में बात की और छात्रों को जिम्मेदार व्यक्ति बन कर समाज की भलाई हेतु काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के अभिनंदन के अलावा कविता लेखन, नारा लेखन और चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें 10 सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

ममता सरकार को घोटालों पर घेरते रहेंगे : नौशाद सिद्दीकी

कोलकाता, 05 मार्च (एजेंसी)। इंडियन सेक्युलर फ्रंट के नेता और भांगर सीट से विधायक नौशाद सिद्दिकी को शनिवार को जेल से रिहा कर दिया गया। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने कहा कि वह ममता सरकार के घोटालों पर उन्हें घेरते रहेंगे। बता दें कि आईएसएफ नेता को 42 दिन बाद जेल से रिहा किया गया। एक विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया था। नौशाद सिद्दिकी ने जेल से बाहर आने के बाद कहा कि यह आम जनता की जीत है। अगर उन्हें लगता है कि मैं जेल जाने से डर जाऊंगा तो यह गलत है।

सिद्दिकी ने कहा कि 'मैं अभी भी अपने मकसद के लिए संघर्ष करूंगा और मुद्दों पर बोलूंगा। सरकार के कामकाज, इसके घोटालों और गलतियों को हम जनता के सामने रखेंगे। सिद्दिकी ने कहा कि 41 दिनों में मैंने बहुत अनुभव हासिल कर लिया है। अब इन्हीं अनुभवों की मदद से मैं आगे बढ़ूंगा।' बता दें कि आईएसएफ नेता को बीती 21 जनवरी को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। दरअसल नौशाद सिद्दिकी की विधानसभा सीट भांगर में आईएसएफ कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर कथित तौर पर टीएमसी कार्यकर्ताओं द्वारा हमला किया गया था।

इसी के विरोध में नौशाद सिद्दिकी विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप लगे कि प्रदर्शन के दौरान आईएसएफ समर्थकों ने पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की और उन पर हमला किया। इसके बाद नौशाद सिद्दिकी को प्रेसीडेंसी सुधारगृह जेल दमदम भेज दिया गया था। शनिवार को उनकी रिहाई की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में आईएसएफ समर्थक फूल-मालाओं के साथ अपने नेता का स्वागत करने पहुंचे थे।

डियर साप्ताहिक लॉटरी मालदा निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

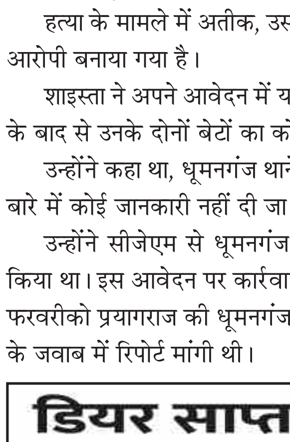

मालदा, पश्चिम बंगाल के श्री कलीमुद्दीन साबजी ने 22.01.2023 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 82B 70570 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "यह हैरतअंगेज था कि मैं भी डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीत सकता हूं। जब मुझे डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीतने की जानकारी हुई तो मेरी खुशियां चरम पर पहुंच गईं। यह हमें भविष्य की आवश्यकताओं हेतु कुछ बचत करने के साथ आर्थिक रूप से स्थिर रहने में सहायता करेगा।" विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com